सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-246
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 11 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

बर्बाद समय हमारा भविष्य खराब करता है.

गीता जयंती....

'आंखें सेंकने जा रहे हैं'...नीतीश की महिला संवाद यात्रा पर लालू का बयान

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही महिलाओं से संवाद करने के लिए यात्रा पर निकलेंगे। इस यात्रा को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। विपक्षी दल आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव और लालू यादव ने नीतीश की यात्रा पर सवाल उठाए हैं। लालू प्रसाद ने जहां नीतीश कुमार पर तंज कसा है, वहीं तेजस्वी यादव ने इसे फिजूलखर्ची बताया है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार पर तंज कसा है। लालू यादव ने नीतीश की यात्रा पर कहा कि बढ़िया है नीतीश कुमार जा रहे हैं, वो तो नैन सेंकने जा रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव की सीएम नीतीश कुमार की यात्रा पर की गई टिप्पणी पर बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, लालू प्रसाद का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार बिहार की महिलाओं के साथ बातचीत करने जा रहे हैं और जिस तरह के शब्द लालू प्रसाद ने इस्तेमाल किए हैं, हम जानते थे कि वह शारीरिक रूप से बीमार हैं लेकिन अब हम कह सकते हैं कि वह मानसिक रूप से भी बीमार हैं। उनका इलाज करने की जरूरत है। यह यात्रा आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नीतीश कुमार इस यात्रा के दौरान अलग-अलग जिलों में जाकर महिलाओं से बातचीत करेंगे।

ठाणे के दुर्गाडी किले में मस्जिद नहीं बल्कि मंदिर है, 48 साल बाद कोर्ट का फैसला

मुंबई। संभल-अमेजर में मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच महाराष्ट्र के ठाणे में ऐतिहासिक दुर्गाडी किले को लेकर बड़ा फैसला आया है। दावा किया जा रहा था कि किले के अंदर मस्जिद है, लेकिन कल्याण की कोर्ट ने मंगलवार को इस पर फैसला सुनाते हुए कहा कि किले में मस्जिद नहीं बल्कि मंदिर है। यह फैसला 48 साल बाद आया है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। बीजेपी और हिन्दू संगठनों ने कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। 1971 में मंदिर और मस्जिद को लेकर ठाणे जिले के अधिकारियों के साथ सुनवाई हुई। उस समय यह बताया गया कि किले पर जो ढांचा था वह एक मंदिर था। हालांकि, कुछ साल बाद एक मुस्लिम संगठन ने दावा किया कि यह वक्फ संपत्ति है। इस पर कोर्ट में दोबारा सुनवाई हुई। अंततः सेशन कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यह ढांचा मस्जिद नहीं बल्कि मंदिर है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार का दावा सही है। वहां मंदिर ही है। फिलहाल, यह संपत्ति कल्याण म्यूनिसिपल काउंसिल के कब्जे में है। यहां नवरात्र के मौके पर शिवसेना प्रशासन से अनुमति लेकर बड़े पैमाने पर पूजा और मेले का आयोजन करती है।

धनखड़ के खिलाफ विपक्ष ने राज्यसभा में दिया अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने आज राज्यसभा में अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश किया है। इस अविश्वास प्रस्ताव में कुल 71 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। इन सबके बीच दिलचस्प बात यह है कि इंडिया गठबंधन का हिस्सा कहे जाने वाली टीएमसी ने सदन से वॉकआउट कर दिया है। ममता बनर्जी की पार्टी की तरफ से इसपर कोई भी फैसला नहीं लिया गया है। हालांकि अंक गणत की बात करें तो विपक्ष के पास उतने नंबर नहीं हैं कि वह धनखड़ को उनके पद से हटा दे। इंडिया गठबंधन की पार्टियां जिसमें कांग्रेस प्रमुख है, ने सभी के साथ मिलकर आज राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। हालांकि यहां विपक्ष में ही तालमेल में कमी दिखी। इंडिया घटक दल की प्रमुख साथी तृणमूल कांग्रेस ने इसपर कुछ न कहते हुए किनारा कर लिया है। ममता बनर्जी की पार्टी के सांसद अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सदन से वाकआउट तर गए। पार्टी की तरफ से इस प्रस्ताव को समर्थन या इसके साथ खड़े रहने को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है। इस प्रस्ताव के लिए संविधान के अनुच्छेद 67(बी) के तहत 14 दिन का नोटिस देना होता है। प्रस्ताव पास होने के लिए राज्यसभा और लोकसभा दोनों में बहुमत चाहिए,जो विपक्ष के लिए मुश्किल है। कांग्रेस और अन्य दलों को लगता है कि इस प्रस्ताव से इंडिया गठबंधन को एकजुट करने में मदद मिलेगी,जो अभी दोनों सदनों में बंटा हुआ है। दोनों सदनों की बात करें तो विपक्ष के पास जगदीप धनखड़ को हटाने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। लोकसभा में उसके पास 543 सीटों में 236 सीटे हैं और राज्यसभा में 231 में केवल 85 सीट हैं। अभी तक कुल 71 सांसदों ने ही इसपर अपनी मुहर लगाई है। विपक्षी दलों और राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ के बीच बढ़ते मतभेदों के चलते यह कदम उठाया जा रहा है।

मप्र कैबिनेट की बैठक- ऊर्जा, शिक्षा, कल्याणकारी योजनाओं को मिली मंजूरी

केन बेतवा लिंक प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगे पीएम मोदी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक मंगलवार को सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस कैबिनेट बैठक में ऊर्जा और शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इन फैसलों की जानकारी डेप्युटी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन फैसलों से कामों को बेहतर तरीके से करने में मदद मिलेगी। उन्होंने जानकारी दी कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत सरकार की आरडीएसएस योजना, जो डिस्ट्रीब्यूशन के क्षेत्र में सिस्टम को ट्रांसफॉर्म करने के लिए बनाई गई है। इस योजना में 60 प्रतिशत केंद्र का योगदान होता है, जबकि 40 प्रतिशत राज्य का। इसके लिए मध्यप्रदेश को 18000 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। इसमें से 40 प्रतिशत यानी 6000 करोड़ रुपए कंपनियों को लोन के रूप में दिया जाना था। कैबिनेट ने ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृत करते हुए उसे इक्विटी में बदलने का प्रस्ताव पास कर दिया है। इससे डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों की स्थिति में सुधार आने की उम्मीद है। बैठक में यह भी तय हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम छतरपुर में होगा, लेकिन तारीख अभी तय नहीं है। सरकार ने जनता के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

छतरपुर आएंगे पीएम मोदी इसके अलावा मध्यप्रदेश में विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं। बिजली से लेकर शिक्षा, सिंचाई और निवेश तक, कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सरकार धान मिलिंग के लिए 2023-2024 में मिलिंग राशि, प्रोत्साहन राशि और अपग्रेडेशन राशि देगी। उच्च शिक्षा के लिए पीएम ऊषा योजना को और बेहतर तरीके से चलाने की मंजूरी मिली है।

आज से मुख्यमंत्री जनकल्याण कार्यक्रम मुख्यमंत्री जनकल्याण कार्यक्रम 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक चलेगा। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री मोहन यादव का एक कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें 45 योजनाओं के तहत 63 सेवाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाया जाएगा। जो लोग अभी तक इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं, उनके आवेदन भी लिए जाएंगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में 13 दिसंबर को मोहन सरकार के एक साल पूरे हो जाएंगे। इस अवसर पर सरकार रिपोर्ट कार्ड पेश करेगी।

बुंदेलखंड में सिंचाई की सुविधा बढ़ेगी बैठक में तय हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम छतरपुर में होगा, लेकिन तारीख अभी तय नहीं है। सरकार ने जनता के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड में सिंचाई की सुविधा बढ़ेगी। इस परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। यह कार्यक्रम छतरपुर में होगा। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 का आयोजन 24-25 फरवरी को भोपाल में होगा। इस समिट का मकसद प्रदेश में निवेश को आकर्षित करना है। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और प्रदेश का विकास होगा। सरकार का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देना है। इससे लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा।

25 दिसंबर को खास आयोजन सीएम मोहन यादव की मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात भी हुई।

पीएम से मुलाकात के बाद झाबुआ जिले में भाजपा कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- नदी जोड़ो अभियान की कल्पना अटल जी ने की थी उसे साकार करने में बड़ी भूमिका प्रधानमंत्री मोदी की है। बता दें कि 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई जाती है। सीएम ने कहा कि ऐसे में उनके जन्मदिन पर उनके द्वारा सोची गई योजना को धरातल पर लाना एक सपने के साकार होने जैसा है।

संत सियाराम बाबा का निधन

खरगोन में नर्मदा तट पर शाम 4 बजे होगी अंत्येष्टि, मोहन यादव भी होंगे शामिल

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में प्रसिद्ध संत सियाराम बाबा का निधन हो गया है। वह मां नर्मदा, भगवान राम और हनुमान जी के अनन्य भक्त थे। बुधवार (11 दिसंबर 2024) सुबह 6 बजे 92 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। पिछले कुछ समय से वह बीमार थे। आश्रम में ही इलाज चल रहा था। खरगोन SP धर्मराज मीना ने उनके निधन की पुष्टि की है। संत सियाराम बाबा का जन्म 1933 में गुजरात के भावनगर में हुआ। उन्होंने 17 साल की उम्र में आध्यात्म का मार्ग अपना लिया था। कुछ साल गुरु के साथ पढ़ाई की और तीर्थ भ्रमण किया। 1962 में भट्याण आ गए। बुधवार को मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती के शुभ संयोग में परमात्मा में विलीन हो गए।

संत सियाराम बाबा की ऐसी थी दिनचर्या संत सियाराम की दिनचर्या भगवान राम और मां नर्मदा की उपासना से शुरू होती थी और इसी के साथ समाप्त होती थी। वह प्रतिदिन रामायण पाठ करते और आश्रम में आए श्रद्धालुओं को प्रसादी स्वरूप खुद चाय बनाकर पिलाते थे।

संत सियाराम बाबा के लिए पांच छह श्रद्धालु अपने घर से टिफिन भिजवाते थे। जिससे थोड़ा थोड़ा हिस्सा निकालकर वह प्रसाद स्वरूप लेते थे। शेष भोजन पशु-पक्षियों को खिला देते थे।

10 साल की कड़ी साधना संत सियाराम बाबा का असली नाम किसी को नहीं पता। नर्मदा किनारे उन्होंने 10 साल तक खड़े रहकर मौन तपस्या की है। अपने तप और त्याग की बदौलत उन्होंने लोगों के हृदय में जगह बनाई।

शिष्यों से महज 10 रुपए भेंट संत सियाराम बाबा 7 दशक से लगातार रोजाना मानस पाठ कर रहे थे। आश्रम में 24 घंटे श्रीराम धुन चलती है। शिष्यों से 10 रुपए से ज्यादा भेंट नहीं लेते थे।

मंदिर के लिए दान किए 25 लाख संत सियाराम बाबा ने नागलवाड़ी धाम, खारघर और जामगेट स्थित विंध्यवासिनी मंदिर में 25 लाख से ज्यादा की राशि दान की है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में भी उन्होंने 2 लाख रुपए भेंट किए थे। क्षेत्र में यात्री प्रतीक्षालय भी बनवाया है।

ढाका पहुंचे विदेश सचिव की खरी-खरी

बांग्लादेश पहले हिन्दुओं और धर्मस्थलों की सुरक्षा तय करे

ढाका। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर बढ़ते हमलों के बीच पहली बार विदेश सचिव विक्रम मिसरी बातचीत के लिए ढाका पहुंचे हैं। ढाका पहुंचते ही उन्होंने बांग्लादेश को दो टूक लहजे में कहा है कि सबसे पहले हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा तय करनी होगी। उन्होंने अपने समकक्ष के सामने सख्ती से ये मुद्दा उठाया। विदेश सचिव मिसरी ने बांग्लादेश के विदेश सलाहकार से कहा कि भारत सकारात्मक, रचनात्मक और साझा हित चाहता है, इसलिए बांग्लादेश को भी उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी उच्च स्तरीय बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मिसरी ने कहा कि मैंने बांग्लादेश प्राधिकरण की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया है। दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को ढाका में अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्च-स्तरीय दौरा है। मिसरी की यह यात्रा हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मिसरी भारतीय वायुसेना के विमान से ढाका पहुंचे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा भी हवाई अड्डे पर मौजूद रहे। यहां पहुंचने के तुरंत बाद मिसरी ने जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हमारे विदेश सचिव जशीमुद्दीन और उनके समकक्ष विक्रम मिसरी के बीच बैठक राज्य अतिथि गृह में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हो रही है। पहले उन्होंने आमने-सामने संक्षिप्त बातचीत की और फिर दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक बैठक शुरू हुई। अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेशी पक्ष सोमवार को वार्ता के बारे में मीडिया को जानकारी देगा, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। दो दिनी दौरे के दौरान मिसरी बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन से भी मुलाकात करेंगे।

आज मप्र में बनेगा गीता पाठ का विश्व रिकॉर्ड, 6000 बटुक करेंगे सस्वर पाठ

भोपाल। मध्यप्रदेश बुधवार को गीता पाठ का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। राजधानी भोपाल के लाल परेड स्टेडियम में गीता जयंती के मौके पर एक साथ 6000 बटुक सस्वर गीता पाठ करके विश्व रिकार्ड बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि 11 दिसंबर को गीता जयंती के मौके पर भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आचार्य गीता के तीसरे अध्याय 'कर्म योग' का पाठ करेंगे। इस आयोजन के जरिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की जा रही है। इसके साथ ही श्रीमद्भगवद् पुराण और गौ-गोपाल की चित्र प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुंबई का साधो बैंड भक्ति गीतों की प्रस्तुति देगा। भोपाल में तो विश्व रिकॉर्ड के लिए यह आयोजन होगा, बाकी मध्यप्रदेश के हर जिले में भी सस्वर गीता पाठ के आयोजन होंगे। गीतामय होने जा रहे मध्यप्रदेश में जिला जेलों में भी इस दिन गीता के कर्मयोग का पाठ करवाया जाएगा। महाराजा विक्रमादित्य शोध संस्थान के इस आयोजन में कृष्ण और उनके संदेश को जन जन तक पहुंचाने के लिए पूरे प्रदेश में श्रीमद् भगवद्गीता पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

मध्यप्रदेश से श्रीकृष्ण का नाता मध्यप्रदेश सरकार श्री कृष्ण के मध्यप्रदेश से रहे संबंध को रेखांकित कर रही है। कृष्ण पाथेय उसी का पड़ाव है, जिसके जरिये यह बताया जा रहा है कि कर्मयोगी कृष्ण जिन्होंने सारी दुनिया को गीता के रुप में जीवन दर्शन की एक पुस्तक सौंपी, वे स्वयं अपने बाल्यकाल में मध्यप्रदेश के उज्जैन के सांदीपनी आश्रम में शिक्षा दीक्षा के लिए आए थे। यहीं से उनके ज्ञान की यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय शुरू होता है। सीएम डॉ मोहन यादव का कहना है कि एमपी में भगवान श्री कृष्ण से प्रेरणा लेकर ही श्रीकृष्ण पाथेय योजना शुरू की गई है। यह योजना असल में श्री कृष्ण की जीवन यात्रा को बताएगी, जिसमें मथुरा से शुरू होकर यह यात्रा उज्जैन अमरावती कुरुक्षेत्र द्वारका तक होगी। यह यात्रा बताएगी कि किस तरह से श्री कृष्ण ने इन स्थानों पर युग बदलने वाले कार्य किए थे।

एमपी में गीता जयंती पर अध्यात्म की गंगा एमपी में गीता जयंती का आयोजन कर रहे महाराजा विक्रमादित्य शोध संस्थान के निदेशक श्री राम तिवारी बताते हैं कि गीता जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालयों में श्री कृष्ण की परंपरा को समर्पित आयोजन होंगे। मुख्य आयोजन में सस्वर गीता पाठ के रिकार्ड के अलावा उज्जैन में गीता महोत्सव के आयोजन में गीतकार मनोज मुंतशिर और मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा को नगरवासी सुनेंगे। इंदौर में गायिका स्वस्ति मेहुल के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

होटल में रखी जाएंगी गीता और रामायणझ पर्यटकों को गीता से परिचित कराने के लिए प्रदेश के होटलों में गीता, रामायण और रामचरितमानस रखी जाएंगी। मुख्यमंत्री का मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और गीता की शिक्षाएं लोगों को प्रेरित करती हैं और सनातन संस्कृति से जोड़ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म से लेकर मृत्यु तक अपनी लीलाओं और आदर्शों के माध्यम से समूचे समाज को प्रेरणा दी है।

जर्मनी की नागरिकता रखकर भी बन गए चार बार विधायक, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

हैदराबाद। तेलंगाना हाईकोर्ट ने पूर्व बीआरएस विधायक चेन्नमनेनी रमेश से उनकी भारतीय नागरिकता छीन ली और उन्हें जर्मन नागरिक घोषित कर दिया। अदालत ने अपनी जर्मन नागरिकता छुपाने और न्यायपालिका को गुमराह करने के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह किसी पूर्व विधायक द्वारा भारतीय नागरिकता खोने का पहला मामला है। न्यायमूर्ति बी विजयसेन रेड्डी ने कहा कि 2009 से रमेश के कार्यों ने वास्तविक भारतीय नागरिकों को चुनाव लड़ने के अधिकार से वंचित कर दिया है। अदालत ने जर्मन नागरिक होने का हवाला देते हुए रमेश की भारतीय नागरिकता रद्द करने के केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले को बरकरार रखा।

लंबा राजनीतिक करियर रहा याचिकाकर्ता वी रोहित, कांग्रेस पदाधिकारी आदि श्रीनिवास के वकील ने तर्क दिया कि रमेश 1990 के दशक में जर्मनी में बसने के बाद जर्मन नागरिक बन गए थे, जहां उन्होंने काम किया, शादी की और एक परिवार का पालन-पोषण किया। वेमुलावाड़ा से चार बार विधायक रहे रमेश का 2009 में पहली बार निर्वाचित होने के बाद से एक लंबा राजनीतिक करियर रहा है। जांच से पता चला कि रमेश ने 2008 में भारतीय नागरिकता हासिल करने के बावजूद अपना जर्मन पासपोर्ट और नागरिकता बरकरार रखी थी।

12 महीने पहले देश में रहना पड़ता है मौजूद आपको बता दें कि भारत में दोहरी नागरिकता का कोई प्रावधान नहीं है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जो भारतीय नागरिक नहीं है, किसी भी चुनाव में लड़ने या वोट देने के लिए पात्र नहीं है। भारतीय संविधान के मुताबिक, कोई भी व्यक्ति दोहरी नागरिकता नहीं रख सकता। किसी भी व्यक्ति को दूसरे देश की नागरिकता लेने के लिए भारतीय नागरिकता त्यागनी होगी। किसी भी व्यक्ति को भारतीय बनने के लिए अपने एप्लिकेशन डेट के कम से कम 12 महीने पहले देश में मौजूद होना चाहिए। देश में कोई भी गैर भारतीय न तो चुनाव लड़ सकता है और न ही वोट दे सकता है।

कौन है चेन्नामनेनी रमेश चेन्नामनेनी रमेश महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल चौधरी विद्यासागर राव के भतीजे हैं। उनके पिता स्वर्गीय चौधरी राजेश्वर राव एक सीनियर कम्युनिस्ट नेता और पांच बार के विधायक रहे हैं, जो बाद में तेलुगु देशम पार्टी में शामिल हो गए थे। चेन्नामनेनी रमेश लंबे समय से आपनी नागरिकता को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। चेन्नामनेनी रमेश 1990 की शुरूआत में रोजगार को लेकर जर्मनी गए थे और साल 1993 में उन्होंने वहां अपना पासपोर्ट जमा करवाया और बाद में जर्मनी की नागरिकता ले ली।

इस साल टूटने वाला है वाहन खरीदी का रिकॉर्ड, जाम झेल रही सड़कें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में जिस तेजी से बाहरी आबादी बढ़ रही है, उसी तेजी से यहां वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है। इसी कारण शहर की तमाम सड़कें ट्रैफिक से ओवरलोड हो रही हैं। हर साल यहां डेढ़ लाख से 2 लाख वाहनों के पंजीयन के चलते अब वाहनों की संख्या 30 लाख पार कर गई है। वहीं 20 हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों का लोड भी शहर के ट्रैफिक पर है, जिसके चलते इंदौर को अब व्हीकल कैपिटल भी माना जा रहा है।

इंदौर में इस साल नए वाहनों की खरीदी और परिवहन कार्यालय में रजिस्टर्ड होने का कड़ा टूटने वाला है। इंदौर में अभी तक 1.87 लाख वाहन पंजीकृत हो चुके है और दिसंबर माह खत्म होने में 21दिन शेष है। इतनी दिनों में शहर में 20 हजार से ज्यादा वाहनों की बिक्री होना तय है,क्योकि ज्यादातर कंपनियों ने वाहनों की खरीदी के लिए कई स्कीमें शुरू की है।

पिछले साल 1.90 लाख वाहन हुए थे पंजीकृत

पिछले साल इंदौर में 1.90 लाख वाहन पंजीकृत हुए थे। इस साल वाहनों के पंजीकृत होने का आंकड़ा दो लाख से उपर पहुंचेगा। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए यह साल अच्छा रहा। इंदौर में मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा दोपहिया व चार पहिया वाहनों की बिक्री का रिकार्ड बना है। इस साल जनवरी में ग्वालियर मेले की तर्ज पर उज्जैन मेला आयोजित किया गया था। जिसमें वाहनों के पंजीयन पर पचास प्रतिशत छूट दी गई थी। इसके अलवा कंपनियों ने भी ऑफर दिए थे। मेले में वाहन खूब बिके। तब यह माना जा रहा था कि मेले के कारण इंदौर में वाहन कम बिकेंगे, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।

त्योहार और विवाह के सीजन में अच्छी बिक्री

त्योहार और विवाह के सीजन में इंदौर में वाहनों की अच्छी बिक्री हुई है। ऑटोमोबाइल कारोबार से जुड़े प्रशांत सिंह सिसौदिया ने बताया कि आमतौर पर साल के अंत में कंपनियां वाहनों पर किफायती ऑफर देती है। इस कारण दिसंबर अंत में वाहनों की बिक्री ज्यादा होती है। दिसंबर माह में इंदौर में तीस हजार से ज्यादा वाहनों के बिकने की उम्मीद है। यह साल वाहनों की बिक्री के लिहाज से बेहतर रहा।

इंदौर देश में सबसे ज्यादा वाहन घनत्व वाला शहर

इंदौर में संभाग के जिलों के लोग भी वाहन खरीदने के लिए आते है। इस कारण यहां वाहन पंजीकृत ज्यादा होते है। इंदौर में भी काफी वाहन खरीदे जाते हैं। इंदौर देश में सबसे ज्यादा वाहन घनत्व वाला शहर है। इस शहर की जनसंख्या 40 लाख है, जबकि 20 लाख वाहन पंजीकृत है। इंदौर में हर दूसरे व्यक्ति के पास वाहन है। इंदौर में 12 लाख दोपहिया,जबकि आठ लाख से ज्यादा चार पहिया व अन्य वाहन है।

अधिकांश सड़कें खचाखच

करीब 32 लाख की आबादी वाले इंदौर शहर में वाहनों की संख्या भी आबादी की संख्या के बराबर ही है। यहां बीते 10 सालों में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी आबादी और वाहनों के कारण शहर की अधिकांश सड़कें खचाखच भरकर जाम झेल रहीं हैं। सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक अधिकांश सड़कों और चौराहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है। शाम होते ही लोगों के फिर सड़कों से गुजरने के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति और भीषण हो जाती है। अधिकांश चौराहों पर अब ट्रैफिक जाम होना सामान्य बात है, जिससे उबर पाना इंदौर पुलिस और नगर निगम के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

एक साल में खरीदे जाते हैं 2 लाख वाहन

इंदौर आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा के मुताबिक इंदौर शहर में अन्य शहरों की तुलना में दोगुनी रफ्तार से वाहनों की संख्या बढ़ रही है। 1 साल में यहां डेढ़ लाख से 2 लाख नए वाहन खरीदे जाते हैं, इसके अलावा बैंक से लोन आदि की सुविधा मिलने के कारण भी लोगों के लिए वाहन खरीदना आसान है। जाहिर सी बात है सड़क पर वाहनों की संख्या बढ़ने से ट्रैफिक स्लो होता है। अगर नियमों का पालन किया जाए तो कुछ भी समस्या नहीं होगी। वाहनों के लिए पार्किंग और सड़कों पर सुविधाजनक यातायात अब मुश्किल होता जा रहा है। मुख्य रूप से एमजी रोड, जवाहर मार्ग धार रोड, महू नाका, इमली बाजार रोड, रेशम गली रोड, तिलकपथ, हुकुमचंद मार्ग, विजयनगर पलासिया, मालवा मिल आदि क्षेत्र रोज भीषण ट्रैफिक जाम का सामना करते हैं। हालांकि, इंदौर नगर निगम ने इससे निपटने के लिए ट्रैफिक मित्र अभियान चलाया था। इसके अलावा इंदौर पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए 50 चौराहों पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लगाने की तैयारी की है। साथ ही ट्रैफिक तोड़ने वालों के खिलाफ ऑनलाइन चालान की कार्रवाई लगातार हो रही है।

विकास के ट्रैक पर रफ्तार भरेगा इंदौर

एमआईसी बैठक में कई प्रस्तावों को मिली हरी झंडी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर विकास पथ पर अग्रसर हो रहा है। इसी के चलते इंदौर नगर निगम में आयोजित एमआईसी बैठक में कई अलग-अलग प्रस्तावों को हरी झंडी मिली है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, निरंजनसिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, अभिषेक शर्मा, राजेश उदावत, प्रिया डांगी, नंदकिशोर पहाड़िया, मनीष शर्मा मामा, समस्त अपर आयुक्त, सचिव, विभाग प्रमुख व अन्य उपस्थित थे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित मेयर इन कौंसिल की बैठक में 450 करोड की लागत से विभिन्न पैकेट में शहर की 23 सड़कों के निर्माण के लिए आमंत्रित टेंडर पश्चात कार्य प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की गई, उक्त सडकों के निर्माण से शहर में आने वाले 20 से 25 सालो के लिये शहर को बेहतर व अच्छी सड़कें मिलेंगी। इसके साथ ही बैठक में विभिन्न मास्टर प्लान के प्रगतिरत सडकों एवं विशेष सहायता अंतर्गत इंदौर विकास योजना में स्वीकृत महत्वपूर्ण सडकों हेतु भूमि उपांतरण एवं जनरेटिंग एरिया घोषित करने हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही शहर में यातायात के दबाव व वायु प्रदूषण को कम करने व यातायात के सुचारू संचालन हेतु पूर्व से निर्मित कम चौडाई की प्रस्तावित सडको को इंदौर विकास योजना 2021 के अनुसार निर्माण, विस्तारीकरण करना, वर्षा जल निकासी, वाहनो की लेनिंग, फुटपाथ व दुर्घटना से बचाव हेतु वर्ष 2024-25 के लिये राशि रुपए 400 करोड की लागत से 14 मास्टर प्लान की प्रचलित/प्रस्तावित सडक निर्माण कार्य के लिये भी डीपीआर शासन की ओर भेजने हेतु प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

मेयर इन कौंसिल की बैठक में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत देवगुराडिया स्थित 500 टीडीपी बायो मिथेनेशन प्लांट का निर्माण किया गया है, जो कि एशिया का सबसे बडा बायो सीएनजी प्लांट है, इसे आगे बढाते हुए, देवगुराडिया में बने प्लांट की क्षमता को 500 के स्थान पर 800 टीडीपी बायो मिथेनेशन प्लांट निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई।

नई सड़कों के लिए 400 करोड़ रुपए का प्रस्ताव

मास्टर प्लान के तहत अन्य सड़कों पर काम करने के लिए मुख्यमंत्री से 400 करोड़ रुपए की मंजूरी का प्रस्ताव भेजा गया है। इन पैसों से बनने वाली सड़कों की सूची पर भी सहमति बनी है।

सीमा सुरक्षा बल को सरचार्ज में छूट

बीएसएफ द्वारा सरचार्ज माफी की मांग को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दी गई है।

यह प्रस्ताव मध्य प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा।

मृत पशुओं का होगा सुरक्षित निपटान

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर आने वाले मृत पशुओं के डिस्पोजल के लिए इंसिनरेशन तकनीक पर सहमति बनी है। इसके लिए मशीन खरीदी जाएगी और उसका संचालन शुरू होगा।

नगर निगम के एक झोन को सीएसआर की मदद से आत्मनिर्भर बनाने का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ। गोदरेज कंपनी की मदद से कचरे के कलेक्शन और प्रोसेसिंग को आत्मनिर्भर झोन में लागू किया जाएगा।

नई स्वीपिंग मशीनें और गारबेज ट्रांसफर स्टेशन

नवीनतम तकनीक वाली स्वीपिंग मशीनें खरीदी जाएंगी। पश्चिम क्षेत्र में एक नया गारबेज ट्रांसफर स्टेशन बनाने का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। पंचम की फेल क्षेत्र में कम्युनिटी हॉल और कमर्शियल दुकानों के निर्माण का प्रस्ताव मंजूर हुआ।

जनभागीदारी से निर्माण होगा और रहवासियों को सुविधाएं दी जाएंगी।

टीडीआर सर्टिफिकेट का लाभ

अतिक्रमण हटाने और भूमि अधिग्रहण के बदले दिए गए टीडीआर (ट्रांसफर ऑफ डेवलपमेंट राइट्स) सर्टिफिकेट का लाभ नागरिकों को मिलेगा।

इसके लिए पोर्टल शुरू किया गया है और पॉलिसी को संशोधित कर जल्द लागू किया जाएगा।

युगपुरुष धाम में फिर एक बच्चे की मौत,बीमारी के कारण हो चुका था कमजोर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के युगपुरुष धाम में फिर एक बच्चे की मौत हो गई। दिव्यांग बच्चा छह साल से आश्रम में रहता था, उसे मिर्गी के दौरे आते थे और वह बीमारी के कारण काफी कमजोर हो चुका थ और बिस्तर पर था। सुबह फिर उसे मिर्गी का दौरा पड़ा और उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की जानकारी आश्रम में अफसरों व बाल कल्याण समिति को भेज दी। अफसरों ने बच्चे की बीमारी की जानकारी भी आश्रम से जुटाई। 20 दिन पहले भी आश्रम में एक बीमार किशोरी की मौत हो गई थी। बच्ची बुरहानपुर क्षेत्र की रहने वाली थी। मंगलवार को जिस बच्चे की मौत हुई। उसे छह साल पहले आश्रम में प्रवेश दिया गया था। वह मिर्गी की बीमारी से पीड़ित था और आश्रम में ही उसका इलाज चल रहा था। बीते कुछ दिनों से उसकी हालत ज्यादा खराब थी और वह बिस्तर से उठ भी नहीं पा रहा था। उसकी मौत की सूचना आश्रम ने परिजनों को भी दे दी। परिजन आश्रम पहुंचकर बच्चे के शव को ले गए। आपको बता दे कि जुलाई में आश्रम में तीन सप्ताह में दस बच्चों की मौत हो गई थी। तब आश्रम ने इसकी जानकारी अफसरों से छुपाई थी। दूषित पानी पीने से आश्रम के बच्चे बीमार हुई थे। मौत की जानकारी मिलने के बाद पचास से ज्यादा बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया गया था। आश्रम के कई बच्चों को दूसरे संस्थानों में शिफ्ट किया गया था। इस मामले में प्रशासन ने जांच भी कराई थी और आश्रम वार्डन को तब हटाया गया था।

रेप के आरोपी डिप्टी कलेक्टर को इंदौर हाईकोर्ट से मिली जमानत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रेप के आरोपी डिप्टी कलेक्टर राजेश सोरते को राहत मिली है। इंदौर हाईकोर्ट ने सुनवाई में उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली है। डिप्टी कलेक्टर पर साथी कर्मचारी एक महिला ने रेप के आरोप लगाए थे। पुलिस ने जांच के बाद रेप के मामले में डिप्टी कलेक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। कोर्ट में जमानत का आधार देरी से प्रकरण दर्ज होने के कारण बना। दरअसल महिला ने अक्टूबर माह में पचोर थाने में अपने साथ दुष्कर्म होने की शिकायत की। शिकायत में बताया गया था कि घटना 2022 की है। तब सोराते तहसीलदार थे। महिला ने आरोप लगाया कि शादी का झांसा देकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए। डिप्टी कलेक्टर के वकील ने सुनवाई में यह बताया कि महिला समय-समय पर परिवार के लिए लाखों रुपये सोरते से ले चुकी है। कोर्ट ने कहा कि जब दुष्कर्म हुआ तब महिला ने प्रकरण दर्ज क्यों नहीं कराया।

महिला ने पुलिस थाने में की शिकायत में कहा था कि उसे पति की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। वह सोरते के अधिनस्त काम करती थी। वे कई बार अपने घर पर भी काम के सिलसिले में बुलाते थे और मुझे शादी का वादा भी करने लगे। उन्होंने राजस्थान के एक मंदिर में जाकर मांग में सिंदूर भी भरा था। इसके बाद उनका प्रमोशन हो गया और वे डिप्टी कलेक्टर बनकर भोपाल चले गए। जब मैने साथ रहने की बात कही तो मां के बीमार होने के बहाना बनाते थे। दो माह पहले वे शादी से मुकर गए और कहने लगे कि नहीं करेंगा शादी, जहां शिकायत करना हो कर दो मेरी।

चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसो. चुनाव के 5 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के सराफा बाजार में इंदौर चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के चुनाव शनिवार को होंगे। मतदान 11 से शाम 5 बजे तक छोटा सराफा स्थित गीतांजलि प्लाजा में होगा। इसी दिन रात तक परिणाम मतगणना के बाद परिणाम घोषित हो जाएंगे। सोमवार को नाम वापसी का अंतिम दिन था, इसमें पांच उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए हैं।

अब कुल 22 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। चुनाव में मुख्य चुनाव अधिकारी महेंद्र पाटीदार, सह-चुनाव अधिकारी अरुण अग्रवाल, सह-चुनाव अधिकारी अनिल जैन और सह-चुनाव अधिकारी गोपाल नीमा है। सह-चुनाव अधिकारी अग्रवाल ने बताया कि चुनाव में सराफा विकास पैनल के 11 उम्मीदवार अजय लाहोटी, अजय नीमा, अविनाश शास्त्री, बसंत नीमा, हुकुम सोनी, ईश्वर जैन, मनोज सोनी, कपिल शर्मा, कोमल कोठाना, प्रगनेश मालक, सुशील गुप्ता चुनाव लड़ रहे हैं।

11 निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में हैं, जो अविजित वर्मा, अशोक शर्मा, मुकेश सोनी, निर्मल वर्मा, पवन कोठारी, पुरुषोत्तम शर्मा, राजेश खंडेलवाल, संजय मकवाना, संजय मांडोत, संतोष पोरवाल, सुजीत सबनिश हैं। सह-चुनाव अग्रवाल के अनुसार जिन प्रत्याशियों ने चुनाव में डमी के रूप में पर्चे भरे थे, उन्होंने नाम वापस लिए हैं। इसमें बागेश नीमा, अनिल जैन, ब्रजमोहन नीमा, ओमप्रकाश सोमानी और संजय कुमार राजवानी ने नाम वापस लिए हैं।

बीआरटीएस पर कटे सैकड़ों पेड़, नए ब्रिज छीन रहे शहर की हरियाली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में पेड़ों की कटाई थमने का नाम नहीं ले रही है। विकास के नाम पर इंदौर में पिछले कुछ सालों में लाखों पेड़ों की बलि ले गई। इन दिनों बीआरटीएस पर सैकड़ों की संख्या में पेड़ों की कटाई चल रही है। यहां से आने जाने वाले लोग भी पेड़ों की इस कटाई को देखकर रुक जाते हैं। बीआरटीएस टूटने वाला है और इसमें नए ब्रिज बनने वाले हैं। पेड़ों की कटाई देवास नाका से विजय नगर क्षेत्र में कई जगह चल रही है। मेट्रो के लिए भी बड़ी संख्या में लगातार पेड़ काटे जा रहे हैं। पर्यावरणविद् ओपी जोशी कहते हैं कि विकास जरूरी है लेकिन प्रकृति का विनाश करके हम खुश नहीं रह सकते। मेट्रो, ब्रिज या अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए पेड़ों की कटाई को कम से कम करना चाहिए। जितना हो सके पेड़ों को बचाने का सोचना चाहिए। पिछले कुछ साल में बड़ी संख्या में पेड़ों को काटा गया है जिससे भूजल स्तर गिरा है और शहर के तापमान में भी वृद्धि हुई है। इंदौर नगर निगम उद्यान विभाग के प्रमुख चेतन पाटिल कहते हैं कि जहां पर भी पेड़ों को हटाया जा रहा है उनकी जगह नए पौधे लगाए जाते हैं। नगर निगम शहर में हर जगह हरियाली लाने के प्रयास कर रहा है।

महिला पार्षद और पति को पीटा, आरोपी बोले हम भाजपा के लोग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के विजय नगर में सोमवार रात वार्ड 46 से कांग्रेस की पार्षद शेफू कुशवाह और उनके पति आकाश कुशवाह के साथ मारपीट हो गई। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। महिला पार्षद ने देर रात थाने पर जाकर केस दर्ज करवाया। शैफाली शेफू वर्मा पति आकाश वर्मा निवासी सोमनाथ की चाल अपने पति, भाई और बेटी के साथ रात में करीब 11 बजे खाना खाने पहुंची थी। सभी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे। स्कीम नंबर 54 के गुरुकृपा रेस्टोरेंट में नजदीकी टेबल पर बैठे तीन युवक और एक युवती मोबाइल पर किसी से अपशब्दों का उपयोग कर बात कर रहे थे। शेफू और आकाश ने उन्हें ऐसा करने से रोका और कहा कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल यहां नहीं किया जाए। इससे आरोपी नाराज हो गए और उन्होंने महिला पार्षद और उनके पति को अपशब्द कहने शुरू कर दिए। बाद में आरोपियों ने खुद को भाजपा से जुड़ा बताया और विवाद और भी बढ़ गया। इसके बाद आरोपी और भी आक्रामक हो गए और चारों ने मिलकर महिला पार्षद और उनके पति के साथ मारपीट शुरू कर दी।

स्टाफ ने बचाने की कोशिश की

होटल स्टाफ ने बीच-बचाव किया लेकिन आरोपी होटल में भीड़ होने का फायदा उठाकर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। आरोपियों ने रेस्टोरेंट के बाहर अपनी बाइक छोड़ी, जिसे पुलिस ने थाने ले जाकर कब्जे में लिया। बाद में महिला पार्षद अपने पति के साथ थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। पार्षद के पति आकाश कुशवाह ने बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ खाना खा रहे थे, जब पास की टेबल पर बैठे युवक-युवती अपशब्दों का प्रयोग कर रहे थे। उन्हें मना करने पर आरोपियों ने उनसे हाथापाई की। इसके बाद होटल के स्टाफ ने उन्हें अलग किया और करीब दस मिनट बाद आरोपी वहां से चले गए।

पुलिस को दी गई जानकारी

मामले की सूचा पुलिस को दी गई और थाने में जाकर केस दर्ज कराया गया। पुलिस आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के प्रयासों में जुटी है। कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया के मुताबिक रात में मामले की जानकारी लगी थी। तो वह शेफू के समर्थन में अपने कार्यकर्ताओं के साथ थाने पहुंचे थे। केस दर्ज कराया है।

सीसीटीवी फुटेज से होगी बदमाशों की पहचान

टीआई विजय नगर थाना चंद्रकांत पटेल के मुताबिक महिला पार्षद का विवाद हुआ है। खाना खाने के दौरान नजदीक की टेबल पर बैठे युवक-युवती अपशब्दों का उपयोग कर रहे थे। अभी आरोपी अज्ञात हैं। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज नहीं देखे हैं। देखकर पहचान करेंगे।

जंगल से गुजरने वाली सड़क पर शाम 4 बजे से सुबह 8 बजे तक आवाजाही बंद

भोपाल के मिंडोरा गांव से कलियासोत तक घूम रहे दो वयस्क बाघ

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश के कई जिलों में बाघ का आतंक छा गया है। खासकर, भोपाल, पन्ना और सिवनी में लोगों में बाघ की दस्तक को लेकर दहशत फैल गई है। पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघ एक महिला को घसीटकर जंगल ले गया। यह हादसा रिजर्व के हिनौता गेट के पास हुआ। जिस वक्त यह घटना घटी उस वक्त महिला प्रतिबंधित क्षेत्र में चारा काट रही थी। बताया जा रहा है कि महिला हिनौता गांव की रहने वाली है। इस दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही वन विभाग में हड़कंप मच गया। पन्ना टाइगर रिजर्व में इस तरह की यह घटना पहली बार घटित हुई है। इसी तरह सिवनी के कुरई विकास खंड में भी टाइगर ने शख्स का शिकार किया। यह घटना वन ग्राम बावनथड़ी में हुई. इंसान का शिकार करने के बाद अब आदमखोर बाघ का मूवमेंट इलाके में जारी है। घटना के बाद से ही वन अमला मौके पर

मौजूद है। वन विभाग की टीम चप्पे-चप्पे पर टाइगर की सर्चिंग कर रही है। बताया जाता है कि रेस्क्यू टीम को घटना स्थल के पास बाघ के आने और जाने के पग मार्क मिले हैं। ड्रोन और हाथियों की मदद से बाघ की सर्चिंग के प्रयास किए जा रहे हैं। वन विभाग का कहना है कि बाघ को देखते ही ट्रेंकुलाइज किया जाएगा। इधर, राजधानी भोपाल के मिंडोरा गांव से कलियासोत तक दो वयस्क बाघ घूम रहे हैं. यह पूरा इलाका बाघ विचरण क्षेत्र से सटा हुआ है। टाइगर मूवमेंट की खबर लगते ही वन विभाग अलर्ट हो गया है। जिला प्रशासन ने बाकायदा मुनादी करवाकर लोगों से सावधान रहने की अपील की है। स्थानीय लोगों को शाम के बाद जंगल की तरफ न आने की हिदायत दी गई है। लोगों को घर में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। जंगल से गुजरने वाली सड़क पर शाम 4 बजे से सुबह 8 बजे तक आवाजाही बंद कराई गई है।

टाइगर मूवमेंट एरिया में स्ट्रीट लाइट की शुरू
भोपाल के टाइगर मूवमेंट एरिया में नगर निगम ने स्ट्रीट लाइट चालू कर दी है। इससे बाघ और इंसानों के आमना-सामना होने का खतरा बढ़ गया है। एक्सपर्ट की मानें, तो अभी मिंडोरा से कलियासोत तक दो एडल्ट टाइगर का मूवमेंट है। चंदनपुरा, कलियासोत डैम, वाल्मी के आसपास भी बाघ घूमते हैं। ऐसे में मॉर्निंग, ईवनिंग करने वालों के लिए खतरा बढ़ गया है। बाघ मित्र राशिद नूर के मुताबिक अमरनाथ कॉलोनी से चंदनपुरा के बीच और वाल्मी से बुल मदर फॉर्म के बीच स्ट्रीट लाइट चालू की गई हैं। इन्हीं इलाकों में लोग वॉक करते हैं। स्ट्रीट लाइट चालू होने से लोगों की संख्या बढ़ेगी। इससे वे बाघ मूवमेंट वाले क्षेत्र तक चले जाएंगे।

स्ट्रीट लाइट से बढ़ जाएगा खतरा
बाघ मित्र नूर के मुताबिक जहां निगम ने लाइट चालू की है, वहां रहवासी इलाका नहीं है। वन विभाग की टीम पेट्रोलिंग भी करती है। यहां अकसर बाघों का मूवमेंट देखने को मिल चुका है। अब लोगों को घूमने के लिए रोकना बड़ी चुनौती हो जाएगा। एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी के मुताबिक लोगों की सुविधा के लिए स्ट्रीट लाइट चालू की जाती है। इस मामले में कोई आपत्ति नहीं आई है। फिर भी इसकी जानकारी ली जाएगी।

वन विभाग ने पेट्रोलिंग बढ़ाई
भोपाल के मिंडोरा से कलियासोत तक और आसपास इन दिनों दो एडल्ट बाघों का मूवमेंट बना हुआ है। इसे देखते हुए वन विभाग ने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है और लगातार मुनादी (अनाउंसमेंट) कराई जा रही है कि जंगल तरफ कोई नहीं जाए। ग्रामीणों को सलाह दी जा रही है कि वे अपने मवेशियों को भी इस तरफ जाने न दें।
मैदानी अमले का कहना है कि तकरीबन ढाई-ढाई साल के दो नर बाघ अपनी मां की सुरक्षित टेरिटरी में ही कब्जा जमाए हुए हैं।

कोई दमदार बाघ आया, तो हो सकती है फाइट
मैदानी अमले का कहना है कि वयस्क होने पर बाघ अपनी मां का इलाका छोड़ देते हैं, लेकिन ये बाघ मां की सुरक्षित टेरेटरी को छोड़कर नहीं जाना चाहते। यह चिंता का विषय है। अमले का कहना है कि यदि यहां पर कोई दमदार बाघ आ गया, तो कहीं वह टेरिटोरियल फाइट में इन वयस्क बाघों को जंगल के बाहर न खदेड़ दे।

सायबर हेल्प डेस्क होंगी मजबूत प्रशिक्षित पुलिसकर्मी करेंगे की मदद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। साइबर अपराधों की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आगामी समय में आने वाली साइबर चुनौतियों से निपटने के लिए भोपाल शहर के सभी 37 थानों में 1 दिसंबर से साइबर हेल्प डेस्क शुरू किया गया है। जहां 5 लाख रुपये तक के मामलों की शिकायत की जा सकती है। सायबर हेल्प डेस्क को और ज्यादा मजबूत बनाया जा रहा है। प्रशिक्षित पुलिसकर्मी विवेचकों की मदद करेंगे। इसके लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसीपी क्राइम ब्रांच अखिल पटेल ने बताया कि सायबर क्राइम आने वाले समय में पुलिस और आमजनों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनेगी। सायबर ठग दिनों-दिन विभिन्न तरीकों से आमजनों को ठग रहे हैं। थानों में प्राप्त शिकायत पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही कर पीड़ित की मदद करें तथा कार्यकुशलता का उपयोग करते हुए तकनीकी नॉलेज के आधार पर इनवेस्टिगेशन करें। जरूरत पड़ने पर सायबर तकनीकी टीम या सायबर फोरेंसिक लैब की मदद लें। प्रशिक्षण में एडिशनल डीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने

सायबर क्राइम अनुसंधान में आने वाली तकनीकी दिक्कतें, दीगर प्रदेशों से समन्वय तथा अनुसंधान के दौरान एकत्रित किए जाने वाले डिजिटल साक्ष्य, दस्तावेज इत्यादि के सम्बंध में सारगर्भित मार्गदर्शन दिया।

प्रशिक्षित पुलिसकर्मी करेंगे मदद
पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता, तकनीकी नॉलेज बढ़ाने एवं उत्कृष्ट अनुसंधान हेतु नगरीय पुलिस भोपाल के 37 थानों के निरीक्षक से आरक्षक स्तर के लगभग 400 अधिकारियों और कर्मचारियों को पूर्व में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में एनसीबीसआरपी, जेएमआईएस एवं सीईआईआर पोर्टल तथा सायबर क्राइम की रोकथाम, टेक्निकल एनॉलिसिस, पब्लिक अवेयरनेस, इन्वेस्टिगेशन इत्यादि से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। यह प्रशिक्षण पूरा होने के बाद शहर के सभी 37 थानों में एक दिसंबर से सायबर हेल्ड डेस्क शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बाकी पुलिस कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि सायबर हेल्प डेस्क को पूरी तरह से मजबूत बनाया जा सके।

इस प्रकार रोकें सायबर क्राइम
- अपने ऑनलाइन अकाउंट्स के लिए मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें. दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें, जो आपके अकाउंट्स की सुरक्षा को बढ़ाता है।
- अपने कंप्यूटर और मोबाइल डिवाइस पर वायरस स्कैनर सॉफ्टवेयर का उपयोग करें. केवल सुरक्षित वेबसाइट्स पर ही जाएं।
- सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और अज्ञात लोगों से दोस्ती न करें. अपने बैंक अकाउंट्स, क्रेडिट कार्ड अकाउंट्स और अन्य ऑनलाइन अकाउंट्स को नियमित रूप से जांच करें। यदि आपको लगता है कि आपके साथ सायबर अपराध हुआ है, तो तुरंत पुलिस या सायबर सेल को रिपोर्ट करें।

इस प्रकार की गलती नहीं करें
अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करें, क्योंकि वे मैलवेयर या फिशिंग हमलों का कारण बन सकते हैं। ऑनलाइन अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें, जैसे कि आपका पता, फोन नंबर या बैंक खाते का विवरण। अज्ञात ईमेल्स का जवाब नहीं दें। अज्ञात सॉफ्टवेयर डाउनलोड नहीं करें। सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क्स का उपयोग न करें, क्योंकि वे असुरक्षित हो सकते हैं।

ग्वालियर कृषि विवि के कुलगुरु की नियुक्ति सवालों के घेरे में

तीन बच्चों की जानकारी छिपाने का आरोप

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु अरविंद शुक्ला की नियुक्ति विवादों में घिर गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी नियुक्ति के समय तीन बच्चों की जानकारी छिपाई, जो मध्य प्रदेश सरकार के 2001 के दो-बच्चा नीति नियम के खिलाफ है। यह नियम सरकारी सेवाओं और पदों के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों पर लागू होता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, भाजपा सांसद भारत सिंह कुशवाह और ग्वालियर के विधायक सतीश सिकरवार ने राज्यपाल को पत्र लिखकर इस मामले की जांच और नियुक्ति रद्द करने की मांग की है। आरोप है कि शुक्ला की नियुक्ति इस नियम का उल्लंघन करते हुए की गई है। राज्यपाल ने इन आरोपों पर कुलगुरु से जवाब मांगा, जिसके बाद शुक्ला ने अपनी ओर से स्पष्टीकरण दिया है। डॉ. अरविंद शुक्ला ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने समग्र आईडी में अपने तीनों बच्चों की जानकारी पहले ही दी थी। उनका यह भी कहना है कि वह प्रतिनियुक्ति पर हैं और उनकी मूल नियुक्ति केंद्र सरकार के अधीन है। शुक्ला ने यह दलील भी दी कि कुलगुरु का पद लोकसेवक की श्रेणी में नहीं आता। हालांकि उन्होंने राजभवन को जवाब भेज दिया है। शुक्ला की नियुक्ति 28 अक्टूबर 2022 को की गई थी। उन्हें राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने पांच वर्षों के लिए कुलगुरु नियुक्त किया था। इस मामले में विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के नेता एकमत होकर निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेताओं का कहना है कि यदि नियुक्ति में नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो इसे अवैध घोषित किया जाना चाहिए। राजभवन के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव ने बताया कि मामले की जानकारी संबंधित फाइल देखने के बाद ही दी जा सकेगी। मध्य प्रदेश सरकार ने 2001 में एक शासनादेश जारी किया था, जिसमें सरकारी सेवा के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों को अधिकतम दो बच्चों का पालन करने का निर्देश दिया गया था। यदि किसी के तीन से अधिक बच्चे होते हैं, तो वह सरकारी सेवाओं या पदों के लिए अयोग्य माना जाता है।

लोकमान्य तिलक-सीतापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में हुई महिला की डिलीवरी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मुंबई से सीतापुर जा रही 12107 लोकमान्य तिलक-सीतापुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में महिला यात्री ने बेटे को जन्म दिया। गर्भनाल नहीं कटने की वजह से मां-बेटे दोनों की जान पर बन आई। ट्रेन के भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर, रेलवे हॉस्पिटल की टीम ने कोच में जाकर महिला और नवजात को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। गर्भनाल काटकर महिला और बच्चे की जान बचाई। व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की मदद से महिला को ट्रेन से उतारकर हमीदिया अस्पताल भेजा गया। यहां से इलाज मिलने के बाद परिवार एम्बुलेंस से कानपुर के लिए रवाना हो गया।

महिला यात्रियों ने कराई डिलीवरी
धनीराम और उनकी पत्नी पूजा देवी कानपुर के ही रहने वाले हैं। दोनों ट्रेन के स्लीपर कोच र-6 में यात्रा कर रहे थे। भुसावल और भोपाल के बीच तड़के 3.30 बजे पूजा को लेबर पेन होने लगा। महिला यात्रियों ने डिलीवरी कराई। ट्रेन के टिकट चेकिंग स्टाफ ने भोपाल मंडल के वाणिज्य नियंत्रण कक्ष में इसकी सूचना दी। यह भी बताया कि गर्भनाल अभी तक नहीं कटा है। 2.30 घंटे में भोपाल पहुंची ट्रेन, मिला इलाज वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि सूचना मिलते ही उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) जावेद अंसारी को निर्देश दिए गए। रेलवे अस्पताल भोपाल से डॉ. आशा चमनिया के नेतृत्व में मेडिकल टीम को बुलाया गया। ट्रेन भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर सुबह 5.58 बजे पहुंची। रेलवे स्टाफ और मेडिकल टीम पहले से ही तैयार थी।

एम्स, हमीदिया के बाद बीएमएचआरसी में आईबैंक और नेत्र प्रत्यारोपण की मंजूरी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में भी अब जल्द ही आईबैंक (नेत्रकोष) और नेत्र प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल को आईबैंक शुरू करने और कार्निया ट्रांसप्लांट की मंजूरी प्राप्त हो गई है। इसके साथ ही एम्स और हमीदिया अस्पताल के बाद बीएमएचआरसी भोपाल का तीसरा शासकीय अस्पताल बन गया है, जहां आईबैंक और नेत्र प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध होगी। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारे अस्पताल और भोपाल के नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। नेत्रदान और कार्निया प्रत्यारोपण जैसी सेवाओं का शुभारंभ हमारे मरीजों के जीवन में आशा की एक नई रोशनी लेकर आएगा। यह न केवल दृष्टिहीन मरीजों के लिए उपयोगी है, बल्कि समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक अवसर भी है। बीएमएचआरसी शीघ्र ही नेत्रदान और प्रत्यारोपण को लेकर एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करने की योजना बना रहा है। इस अभियान के तहत समाज में नेत्रदान के महत्व को उजागर करने के लिए सेमिनार, वर्कशॉप और अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही हम अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि मरीजों को सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान की जाएं। बीएमएचआरसी के नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ हेमलता यादव ने कहा कि नेत्रदान करने वाले लोगों की लिस्ट तैयार करने का काम शुरू किया जा रहा है। हमने आईबैंक के लिए अलग फोन नंबर 0755-2920132 भी शुरू किया है। नेत्रदान के इच्छुक व्यक्ति इस नंबर पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा हम अस्पताल में आने वाले मरीजों व उनके परिजनों को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाएंगे। हमारे पास जरूरतमंद दृष्टिहीन मरीजों की एक सूची पहले से तैयार है। कोई भी जरूरतमंद दृष्टिहीन बीएमएचआरसी के नेत्र रोग विभाग में आकर अपनी जांच करवा सकते हैं और अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

आईबैंक का महत्व
डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि एक नेत्रदाता के नेत्रदान से दो दृष्टिहीन व्यक्तियों की दृष्टि वापस लाई जा सकती है। आईबैंक और कार्निया ट्रांसप्लांट सेंटर दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आईबैंक नेत्रदान के माध्यम से प्राप्त कार्निया को सुरक्षित रखने और इसे प्रत्यारोपण के लिए तैयार करने का कार्य करता है। कार्निया ट्रांसप्लांट दृष्टिहीन व्यक्तियों को उनकी खोई हुई दृष्टि वापस देने में सहायक है। यह सुविधा उन मरीजों के लिए वरदान है जो किसी दुर्घटना, संक्रमण या बीमारी के कारण दृष्टिहीन हो गए हैं।

शबनम मौसी ने जीतू पटवारी पर लगाया अपमान करने का आरोप

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश की पहली ट्रांसजेंडर विधायक शबनम मौसी ने कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर अपमान का आरोप लगाया। पटवारी से मिलने गई मौसी को उनके आवास में प्रवेश नहीं दिया गया। मौसी का कहना है कि पटवारी के पदाधिकारियों ने उनका अपमान किया। उन्होंने कहा कि इसी व्यवहार के कारण कांग्रेस अपना जनाधार खो रही है। घटना 9 दिसंबर की है। शबनम मौसी सोहागपुर (शहडोल) से विधायक रह चुकी हैं। वह जीतू पटवारी से मिलने उनके आवास पर गईं थीं। उनका मकसद कांग्रेस में शामिल होना था। लेकिन पटवारी के कर्मचारियों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। मौसी ने कहा, मैं कांग्रेस की सदस्य बनना चाहती थी, इसलिए मैं जीतू पटवारी से मिलने गई थी। लेकिन मुझे उनके आवास में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने न केवल मेरा बल्कि पूरे ट्रांसजेंडर समुदाय का अपमान किया है और उन्हें अपने किए की कीमत चुकानी पड़ेगी। मौसी का मानना है कि इस तरह के व्यवहार की वजह से कांग्रेस मध्य प्रदेश में अपनी पकड़ खो रही है। उन्होंने यह तक कहा कि, ह्वाकांग्रेस पार्टी में कोई नहीं रहेगा। शबनम मौसी, मध्य प्रदेश की पहली ट्रांसजेंडर विधायक हैं। उन्होंने फरवरी 2000 में सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीतकर इतिहास रचा था। यह चुनाव 1994 में ट्रांसजेंडर समुदाय को मतदान का अधिकार मिलने के छह साल बाद हुआ था। तत्कालीन कांग्रेस विधायक कृष्णपाल सिंह के निधन के बाद यह सीट खाली हुई, जिसके बाद यहां उपचुनाव हुए थे। मौसी ने लल्लू सिंह को 17,800 से ज्यादा वोटों से हराकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। शबनम मौसी के सफर पर एक फिल्म भी बनी है, जिसे फिल्म निर्देशक योगेश भारद्वाज ने बनाया और मौसी का रोल आशुतोष राणा ने निभाया था। हालांकि, 2003 के विधानसभा चुनाव में उन्हें सिर्फ 1,400 वोट मिले और वह हार गईं। 2008 में परिसीमन के दौरान सोहागपुर सीट को दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में मिला दिया गया। मध्य प्रदेश, जिसने देश के पहले ट्रांसजेंडर विधायक और महापौर को चुना, वहां अब राज्य की राजनीति में इस समुदाय का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। शबनम मौसी के अलावा, कमला बुआ को 2009 में सागर नगर निगम का मेयर चुना गया था।

राजधानी की हवा को सुधारने के लिए सड़कों और पेड़-पौधों पर पानी छिड़काव

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल की हवा को सुधारने के लिए नगर निगम ने सड़कों और पेड़-पौधों पर पानी छिड़का। मंगलवार को कुल 39 गाड़ियों के जरिए यह काम किया गया। निगम ने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए यह किया। नगर निगम ने वाहनों की जन जागरूकता रैली का आयोजन भी किया। रैली का शुभारंभ महापौर मालती राय ने निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की मौजूदगी में किया। रैली में जन-जागरूकता संदेश युक्त बैनर लगे 39 वाहन शामिल रहे। इनमें से 25 वाहनों ने जेटिंग स्प्रे के माध्यम से पानी का छिड़काव भी सड़क पर किया। एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, आरके सिंह बघेल आदि भी मौजूद थे। रैली के बहाने नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण की भी तैयारी की। दरअसल, सर्वेक्षण के लिए जल्द ही दिल्ली से टीम भोपाल आने वाली है। ऐसे में निगम का सफाई को लेकर खासा जोर है। महापौर, अध्यक्ष और कमिश्नर हर रोज विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। ताकि, सफाई व्यवस्था सही ढंग से हो सके। पॉलीटेक्निक चौराहे से रैली शुरू हुई, जो शहर के कई इलाकों से गुजरी। रैली जिन इलाकों से गुजरी, वहां की सड़कों की धुलाई की गई।

महापौर हेल्पलाइन में ज्यादा शिकायतें स्ट्रीट डॉग्स की, 1293 शिकायतें पेंडिंग

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल में महापौर हेल्पलाइन में सबसे ज्यादा शिकायतें स्ट्रीट डॉग्स की है। कुल 1293 शिकायतें पेंडिंग हैं। स्ट्रीट डॉग के मामले में ही सबसे ज्यादा हैं। इन शिकायतों को लेकर मंगलवार को महापौर मालती राय ने समीक्षा की। उन्होंने कॉल करके शिकायतकर्ता से पूछा कि आपने शिकायत की थी, क्या वो दूर हो गई?शहर में स्ट्रीट डॉग्स के शिकार के मामले हर रोज आ रहे हैं। पिछली दो घटनाओं ने झकझोर दिया। 7 दिन पहले नवजात का सिर मिला था। जिसका धड़ कुत्ते खा गए थे। यह मामला शाहजहांनाबाद थाना इलाके की वाजपेयी नगर झुग्गी बस्ती का है। गोविंदपुरा में दो दिन पहले 5 कुत्तों ने दोपहिया सवार प्रिंटिंग प्रेस व्यवसायी कृष्ण रंजन शर्मा पर हमला कर दिया था। इन घटनाओं के बीच स्ट्रीट डॉग्स की बढ़ती शिकायतें चिंता पैदा कर रही है।

सम्पादकीय

बढ़ती जा रही परिवार के साथ आत्मघात करने की प्रवृत्ति

परिवार में संवाद ही खत्म हो गया है। बातचीत के अभाव में परिवार की संस्था प्रभावित हुई। हर वर्ग में एक-दूसरे से कोई न कोई समस्या रहती है। इसे बातचीत से खत्म कर सकते हैं, लेकिन शहरीकरण के दौर में किसी के पास संवाद का समय ही नहीं। ऐसे में एक दूसरे के प्रति बैर बढ़ता है जो आगे चलकर हिंसक हो जाता है।

हर मां-बाप को अपने बच्चों से सुरक्षा मिलने की आस रहती है। लेकिन पिछले एक पखवाड़े में आधा दर्जन ऐसे मामले आए जहां रिश्तों का खून हुआ। रिश्तों में आई खटास ने बच्चों को ही अपनों का हत्यारा बना दिया। कुछ घटनाएं इतनी हृदयविदारक व वीभत्स होती हैं कि हर संवेदनशील व्यक्ति दुख व करुणा से स्तब्ध रह जाता है। पिछले दिनों दिल्ली की उस घटना ने विचलित किया, जिसमें आक्रोशित युवक ने पिता,मां व बहन की हत्या गुस्से में आकर कर दी। वहीं शनिवार को हरियाणा के शाहबाद की उस घटना ने हर किसी को झकझोरा, जिसमें पैसे के लेन-देन को लेकर कुछ लोगों द्वारा उत्पीड़ित किए जाने पर एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता, पत्नी की निर्मम हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। उसने कोशिश तो अपने किशोर पुत्र की हत्या की भी की लेकिन संयोगवश वह बच गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें अपनों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने आठ लोगों द्वारा रुपयों के लेन-देन के लिये उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज भी किया है। अब भले ही हत्यारे व्यक्ति को रुपयों के लेन-देन को लेकर विकट स्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उसे इससे जन्म देने वाले माता-पिता व पत्नी की हत्या करने का अधिकार तो नहीं मिल जाता। आखिर उसके परिजनों का क्या कसूर था जिन्हें अकारण उसने मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, ऐसे मामलों में अकसर देखने में आता है कि विकट परिस्थितियों में बेहद तनाव की स्थितियों से गुजर रहा व्यक्ति इतना हताश हो जाता है कि अपने प्रियजनों को किसी अपमानजनक स्थिति से बचाने के लिए उनकी जीवन लीला समाप्त करना अंतिम विकल्प समझ लेता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई व्यक्ति वास्तविक आर्थिक स्थितियों का आकलन किए बिना ऐसे कदम उठा लेते हैं कि उसकी प्रतिपूर्ति करना मुश्किल हो जाता है। दरअसल संकट से गुजरते व्यक्ति में मुश्किल हालातों से मुकाबले का ऐसा धैर्य ही नहीं रहता है कि उससे उबारने का रास्ता खोज सके। ऐसे में मौत को गले लगाना ही उसे अंतिम विकल्प नजर आता है।
दरअसल, हमारे समाज में आज महत्वाकांक्षाओं और भौतिक संसाधन जुटाने का इस कदर जुनून हावी है कि आसन्न संकट का आकलन किए बिना व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है। वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आर्थिक लिप्साओं के उफान के दौर में लोग इतने संवेदनहीन हो चले हैं कि व्यक्ति की दुखती रग पर हाथ रखकर भयादोहन करने लगते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में दक्षिण भारत की दावेदारी

दक्षिण भारत, भारतीय राजनीति में हमेशा से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है, लेकिन भाजपा के लिए यहां अपना प्रभाव बढ़ाना और पार्टी के लिए मजबूत नेतृत्व ढूंढ़ना चुनौतीपूर्ण रहा है। दक्षिण भारत में भाजपा की उपस्थिति सीमित रही है, हालांकि कर्नाटका में भाजपा के मजबूत आधार के बावजूद, अन्य राज्यों जैसे तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भाजपा का प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहा है। ऐसे में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर दक्षिण भारत से किसी नेता का चयन पार्टी के विस्तार और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।
भा.ज.पा. ने दक्षिण भारत में अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए कई नेताओं को आगे किया है। इनमें से कुछ नेताओं का नाम संभावित भाजपा अध्यक्ष के रूप में लिया जा सकता है-

1. राम माधव

राम माधव भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं और भारतीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (त्रञ्स्) के करीबी सदस्य हैं। उनका राजनीतिक करियर मुख्यतः उत्तर-पूर्वी भारत में भाजपा के विस्तार और संगठन निर्माण में रहा है, लेकिन वे दक्षिण भारत में भी भाजपा के विकास में सक्रिय रहे हैं। राम माधव को पार्टी के रणनीतिकार और संगठनात्मक सुधारक के रूप में जाना जाता है। वे विदेश नीति पर भी अपने विचार रखते हैं और उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता माना जाता है। उनका दक्षिण भारत में काम और संगठन के प्रति उनका दृष्टिकोण उन्हें पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए एक संभावित उम्मीदवार बना सकता है।

2. किशन रेड्डी

किशन रेड्डी तेलंगाना के भाजपा नेता हैं और वर्तमान में भारत सरकार में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने तेलंगाना राज्य में भाजपा के लिए मजबूत आधार बनाने के लिए कई पहल की हैं। तेलंगाना में भाजपा का वोट प्रतिशत धीरे-धीरे बढ़ रहा है, और रेड्डी की नेतृत्व क्षमता को देखते हुए वे दक्षिण भारत से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए एक प्रमुख उम्मीदवार बन सकते हैं। रेड्डी की कर्नाटका और तेलंगाना में मजबूत उपस्थिति और उनके संगठनात्मक प्रयास उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के नेतृत्व के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

3. सी.टी. रवि

सी.टी. रवि कर्नाटका राज्य के भाजपा नेता हैं, और उन्होंने

राज्य में पार्टी के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे भाजपा के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं और उनके पास संगठनात्मक और चुनावी रणनीति बनाने का अच्छा अनुभव है। कर्नाटका में भाजपा की मजबूत स्थिति और सी.टी. रवि का पार्टी के लिए नेतृत्व करने का अनुभव उन्हें दक्षिण भारत से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की दिशा में एक प्रमुख उम्मीदवार बनाता है।

4. एन.टी. रामाराव

एन.टी. रामाराव का नाम दक्षिण भारत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उभर सकता है, विशेषकर कर्नाटका और तेलंगाना में उनके राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए। भाजपा ने पूर्व तेलुगु अभिनेता चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के साथ गठबंधन किया है, और एन.टी. रामाराव जैसे प्रभावी नेताओं को पार्टी के नेतृत्व में शामिल करने से दक्षिण भारत में भाजपा को एक मजबूत राजनीतिक आधार मिल सकता है।

5. एस. श्रीरामुलू

एस. श्रीरामुलू कर्नाटका और आंध्र प्रदेश में भाजपा के एक प्रभावी नेता हैं। उनका दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण योगदान रहा है, और उनका राजनीतिक अनुभव उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बनाता है।
भा.ज.पा. के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में दक्षिण भारत से किसी नेता का चयन पार्टी के लिए एक रणनीतिक कदम हो सकता है। दक्षिण भारत में भाजपा के विकास के लिए संगठनात्मक प्रयास और कुशल नेतृत्व की आवश्यकता है। राम माधव, किशन रेड्डी, सी.टी. रवि, एन.टी. रामाराव और एस. श्रीरामुलू जैसे नेताओं की उम्मीदवारी पार्टी के विस्तार में सहायक हो सकती है, विशेष रूप से दक्षिण भारत में भाजपा के प्रभाव को और बढ़ाने के लिए।
(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

रायपुर फ्लाइट बम सूचना कांडः झूठी खबर और सुरक्षा की चुनौती

नागपुर से कोलकाता जा रही इंडिगो फ्लाइट में 14 नवंबर को बम होने की झूठी सूचना से सुरक्षा और कानूनी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। इस घटना ने 187 यात्रियों से भरी फ्लाइट को रायपुर में इमरजेंसी लैंडिंग के लिए मजबूर किया। बाद में तलाशी में कोई बम नहीं मिला, लेकिन घटना ने विमानों की सुरक्षा और यात्रियों के मानसिक तनाव के मुद्दे को फिर से उजागर कर दिया।
पुलिस ने इस मामले में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट रैंक के अधिकारी अनिमेष मंडल (44) को गिरफ्तार किया। रायपुर पुलिस के मुताबिक, मंडल ने पायलट को विमान में बम होने की सूचना दी थी, जो झूठी साबित हुई। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी को उचित ठहराते हुए कहा कि उनकी जानकारी फर्जी थी और इससे यात्रियों की सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ।
मंडल के वकील फैजल रिजवी ने दावा किया कि उन्हें एक खुफिया स्रोत से यह सूचना मिली थी, जिसे उन्होंने पायलट के साथ साझा किया। वकील ने यह भी सवाल उठाया कि पुलिस ने मंडल की आईबी से संबद्धता की जानकारी तुरंत सार्वजनिक क्यों नहीं की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए छत्तीसगढ़ में विशेष अदालत नहीं है। वे इस आधार पर हाईकोर्ट में जमानत की अपील करेंगे।

विमानों में बम की झूठी जानकारी- मुख्य समस्याएं

1.सुरक्षा और यात्रियों का मानसिक तनाव

इस तरह की घटनाओं से यात्रियों और चालक दल में दहशत फैलती है। मनोवैज्ञानिक प्रभाव लंबे समय तक बना रह सकता है।

2. आर्थिक और प्रशासनिक नुकसान

इमरजेंसी लैंडिंग, तलाशी और सुरक्षा उपायों से एयरलाइंस को भारी वित्तीय नुकसान होता है। साथ ही उड़ान संचालन में बाधा से यात्रियों का समय बर्बाद

होता है।

3.सुरक्षा एजेंसियों की साख पर सवाल

जब ऐसी घटनाओं में खुफिया एजेंसियों से जुड़े लोग शामिल हों, तो सुरक्षा एजेंसियों की साख पर सवाल खड़े होते हैं।

4.कानूनी जटिलताएं

नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की कमी बड़ी चुनौती है।
रायपुर पुलिस ने मंडल पर भारतीय दंड संहिता की धारा 351(4) और नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम, 1982 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस का कहना है कि आईबी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त जांच में मंडल की सूचना को फर्जी पाया गया। वहीं, वकील रिजवी ने तर्क दिया कि केवल विशेष अदालत में ही इस मामले की सुनवाई हो सकती है, जो छत्तीसगढ़ में उपलब्ध नहीं है।

झूठी जानकारी की घटनाओं का समाधान

1.सुरक्षा प्रक्रियाओं में पारदर्शिता

खुफिया एजेंसियों और स्थानीय पुलिस के बीच बेहतर समन्वय से ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

2.तकनीकी उन्नति

बायोमेट्रिक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुरक्षा प्रणाली लागू की जाए।
उन्नत सेंसर और मॉनिटरिंग उपकरणों का उपयोग बढ़े।

3.कानूनी ढांचे को सुदृढ़ करना

नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम के तहत हर राज्य में विशेष अदालतों की स्थापना अनिवार्य हो।
झूठी जानकारी देने वालों पर कड़े दंड और आर्थिक जुर्माने का प्रावधान लागू हो।

4.यात्रियों और अधिकारियों की जागरूकता

यात्रियों को इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।
सुरक्षा अधिकारियों को सूचना साझा करते समय स्पष्ट प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए।
यह घटना न केवल हवाई सुरक्षा बल्कि खुफिया एजेंसियों और प्रशासनिक समन्वय पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। बम की झूठी सूचना से यात्री और चालक दल दोनों मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित होते हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए तकनीकी और कानूनी उपायों को सख्ती से लागू करना होगा।
अनिमेष मंडल का मामला नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रक्रियाओं की सीमाओं और खामियों को उजागर करता है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस मामले में हाईकोर्ट और अन्य एजेंसियां क्या निर्णय लेती हैं। ऐसी घटनाओं के निराकरण के लिए पारदर्शी प्रक्रियाएं और ठोस कानूनी प्रावधान समय की मांग हैं।
(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है। निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है।
महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली।

अडानी के बहाने भारत पर बुरी नजर डाल रहा 'डीप स्टेट'!

राज्यसभा में उस समय हंगामा हो गया जब आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और व्यवसायी गौतम अडानी पर निशाना साधते हुए नारे लगाए। सदन में 'मोदी अडानी भाई भाई' और नरेंद्र मोदी मुदार्बाद के नारे गूंजे, जिससे कार्यवाही बाधित हुई और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को भीतर या बाहर की कोई भी ताकत नुकसान नहीं पहुंचा सकती। उन्होंने सभी से अपील की कि एकजुट होकर 'डीप स्टेट' के खिलाफ काम करें। इसके बाद एक बार फिर से डीप स्टेट शब्द सुर्खियों में आ गया है। माना जा रहा है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश में सफल मगर अमेरिका में नाकाम डीप स्टेट दोबारा अडानी के बहाने भारत पर बुरी नजर डाल रहा है। बीजेपी की तरफ से डीप स्टेट को पआउट किया गया है। ऐसा माना जाता है कि डीप स्टेट सरकार, नौकरशाही, खुफिया एजेंसियों और अन्य सरकारी संस्थाओं के अंदर स्थापित एक अनधिकृत सीक्रेट नेटवर्क है। हालांकि अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने आरोपों को निराशाजनक बताया और कहा कि अमेरिका सरकार दुनियाभर में मीडिया की स्वतंत्रता की पैरोकार रही है। लाल बहादुर शास्त्री की मौत, होमी जहांगीर भाभा की मौत, 1975 में शेख मुजीबुर रहमान की हत्या, 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या, राजीव गांधी की मौत और वर्तमान में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के पीछे डीप स्टेट का हाथ है। पाकिस्तान के बनने के बाद से पहली बार हुआ जब आईएसआई का चीफ जेल में है। ये अमेरिका के डीप स्टेट की ताकत है। जानकार बताते हैं कि यह केवल भारत की बात नहीं है। उन्हें दुनिया में कहीं भी राष्ट्रवादी सरकार नहीं चाहिए। कोई मजबूत या ऐसा लीडर नहीं चाहिए जिसे वे मैन्युप्लेट न कर सके। यहां तक की खुद अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप नहीं चाहिए। इसलिए भारत के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप भी डीप स्टेट के खिलाफ हैं। भारतीय अधिकारियों को पश्चिमी ताकतों और डीप स्टेट की भारत को अस्थिर करने की साजिशों के बारे में आगाह किया जा चुका है। भारत इन ताकतों की आंखों की किरकिरी बनता जा रहा है, क्योंकि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था से दुनिया के कई देश और कारोबारी परेशान हैं। इसके अलावा, भारत की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता (स्ट्रैटिजिक अटॉनमी) की मजबूत परंपरा को फिर से तरजीह दी जा रही है। वाइज और रॉस की 1964 में गुप्त सीआईए ऑपरेशन के बारे में लिखी गई किताब में डीप स्टेट के इस प्रस्ताव को संक्षेप में बताया गया है- अमेरिका में दो सरकारें हैं, एक दिखाई देती है, दूसरी अदृश्य। विडंबना यह है कि डीप स्टेट अब मुख्यधारा में आ गया है। भारत और अमेरिका दोनों में ही एक प्रमुख राजनीतिक दल पर दूसरे द्वारा इस स्थिति को बढ़ावा देने का आरोप है। अमेरिका ने भारत को अस्थिर करने के लिए किसी भी और सभी डीप स्टेट साजिशों से इनकार किया है। भाजपा ने एक फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया था और कहा था कि इससे पता चलता है कि ओसीसीआरपी को जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर फाउंडेशन जैसे अमेरिकी सरकारी संस्थाओं में शामिल तत्वों के साथ-साथ अमेरिकी विदेश मंत्रालय के यूएसएड द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।

11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का होगा आयोजन

सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को दिये अहम् दिशा निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रदेश सरकार विकास, जन कल्याण और स्वराज की प्रतिबद्धता को लेकर आज 11 दिसंबर 2024 से 26 जनवरी 25 तक मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का आयोजन करेगी। अभियान में राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों का पूरा लाभ उसके पात्र हितग्राहीयों तक समय सीमा में पहुंचाने का लक्ष्य है। अभियान को सफल बनाने के लिए जिला पंचायत दमोह में आज मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान हेतु बैठक सीईओ जिला पंचायत दमोह अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर्स तथा अन्य विभागों की अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने बैठक में आज 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक विशेष अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों के लिए भारत सरकार एवं राज्य शासन की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रदान कर इन योजनाओं में शत प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त करने

हेतु लक्ष्य अनुरूप कार्य किए जाने के निर्देश दिए गए तथा कोई भी पात्र हितग्राही संबंधित योजना के लाभ से वंचित न रहे यह सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने निर्देश जारी किए गए। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अंतर्गत 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चला कर शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें संबंधित योजनाओं का लाभ देकर सैचुरेशन प्राप्त किया जाएगा। इस अभियान में 45 हितग्राही मूलक योजनाओं का चयन किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, वित्त विभाग, सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग, श्रम विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, वित्त विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, सहकारिता विभाग उद्यान की खाद्य प्रसंस्करण विभाग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की योजनाएं शामिल हैं। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की 63 सेवाओं का चयन किया गया है जो इस अभियान के दौरान हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जाएंगी और शत प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त किया जाएगा। इन सेवाओं में राजस्व विभाग से अविवादित नामांतरण, बटवारा, नक्शा शुद्धिकरण, सीमांकन के प्रकरण आदि का निपटारा किया जाएगा। इसी प्रकार सामान्य प्रशासन तथा अन्य विभाग अंतर्गत स्थाई निवासी, आय एवं जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाना, दिव्यांग का प्रमाण पत्र दिये जाना, नवीन बिजली कनेक्शन दिये जाना, किसान क्रेडिट उपाधि प्रमाण पत्र जारी करना, डुप्लीकेट उपाधि प्रमाण पत्र जारी करना, माइग्रेशन प्रमाण पत्र जारी करना, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करना, वाहन पंजीयन नवीनीकरण, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, भवन आरोग्य प्रमाण पत्र, ट्रेड लाइसेंस आदि सेवाओं के आवेदन प्राप्त कर उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा। उक्त समस्त करवाई सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपन्न की जाएगी।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को दी जा रही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं

पी.एम.एस.एम.ए. अंतर्गत 454 गर्भवती महिलाओं ने विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लिया लाभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने बताया प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत चिन्हित उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं की विशेषज्ञ जांच हेतु सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पी.एम.एस.एम.ए. क्लीनिक के तहत विशेषज्ञ स्वास्थ्य जांच हर माह की 09 एवं 25 तारीख को सतत रूप से की जा रही है। अभी तक चिन्हित जोखिम गर्भावस्था वाली 3,149 महिलाओं में से 1,658 का प्रसव कराया जा चुका है। इसी क्रम में आज प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत स्त्री रोग विशेषज्ञ अथवा स्किल लैब प्रशिक्षित चिकित्सकों की उपस्थिति में स्वास्थ्य संस्थाओं में लगाये गये विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में 454 गर्भवती महिलाएं लाभान्वित हुई। क्लीनिक में पहुंची सभी गर्भवती महिलाओं की जी.डी.एम. जांच की गई। आवश्यकतानुसार आयरन सुक्रोज भी लगाये गये। गर्भावस्था दौरान खान-पान, आराम एवं जोखिम के लक्षणों के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया गया। क्लीनिक में पहुँची सभी गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क आयरन एवं कैल्शियम टेबलेट का वितरण भी किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी द्वारा सिविल

अस्पताल हटा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बटियागढ़ में लगाये गये विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में दी जा रही सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। क्लीनिक दौरान प्रदायित की जा रही सेवाओं, व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार लाने के निर्देश मौके पर ही संबंधित सी.बी.एम.ओ. को दिये। हटा में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता त्रिवेदी द्वारा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण दौरान 16 महिलाओं की सोनोग्राफी जांच भी की गई। संस्था में 88 गर्भवती महिलाएँ लाभान्वित हुई। जबकि बटियागढ़ में डॉ. श्रद्धा गंगेले द्वारा 44 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिला स्तर से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों डी.टी.ओ, डी.पी.एम., डी.सी.एम. द्वारा भी स्वास्थ्य संस्थाओं का भ्रमण कर दी जा रही सेवाओं पर निगरानी रखी गई। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कि विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में मल्टीग्रेविडा (दो या दो से अधिक बार गर्भवती), काम वजन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, रक्ताल्पता, प्रीवियस एल.एस.सी.एस., जैसे स्वास्थ्य समस्याओं वाली गर्भवती महिलाओं ने विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा का लाभ लिया। विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जांच-परीक्षण एवं आवश्यकतानुसार नैदानिक जांच आधार पर गर्भवती महिलाओं को समुचित उपचार सेवा दी गई।

सत्ता पक्ष का राजनैतिक रसूखदार रावेंद्र गुप्ता उर्फ भूरा सेठ दबाव बनाते हुए, पट्टेदार किसान को नहीं करने दे रहा स्वयं की भूमि पर निर्माण

रिकॉर्ड अनुसार शासकीय नाले को पाट कर स्वयं कर लिया अवैध कब्जा

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर सत्ता पक्ष के राजनैतिक रसूखदार रावेंद्र गुप्ता उर्फ भूरा सेठ अमलाई जिनकी जमीन पालीटेक्निक कॉलेज अनुपपुर के पास सकरिया ग्राम में है उनके द्वारा उनकी भूमि से कुछ दूरी पर स्थित रामभुवन मिश्रा की जमीन पर मिट्टी कटाव को रोकने हेतु किया जा रहा निर्माण कार्य को रोकने हेतु झूठी शिकायत राजस्व अधिकारियों से कर अपने रसूक का इस्तेमाल करते हुए अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है जबकि रामभुवन मिश्रा अपनी स्वयं की जमीन पर मिट्टी कटाव को रोकने हेतु कार्य करा रहे है। ये है पूरा मामला रावेंद्र गुप्ता उर्फ भूरा सेठ की जमीन जो कि सकरिया ग्राम में स्थित है उनकी जमीन से होकर एक नाला निकलता है जिसे भूरा सेठ द्वारा पूर्व में ही पूरी तरह से पाट कर नाले की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया जिससे नाले का पानी अपनी दिशा बदलते हुए शिवशरण मिश्रा के खेत जो कि परसवार ग्राम में है एवं थोड़ा गहराई में है उस खेत से गुजरने लगा जिसके कारण शिव शरण मिश्रा के खेत की मिट्टी का कटाव होने लग गया अब इस मिट्टी कटाव से बचाव के लिए रामभुवन द्वारा पक्की दीवार बनाने का कार्य शुरू किया गया जिसे भूरा सेठ दबाव बना कर रुकवाने के लिए राजस्व अधिकारियों एवं कलेक्टर महोदय को गुमराह करते हुए झूठी कहानियां गढ़ कर झूठी शिकायत कर रहा है । प्रभावित किसान द्वारा की जा रही निष्पक्ष जांच की मांग।। किसान शिव शरण मिश्रा द्वारा

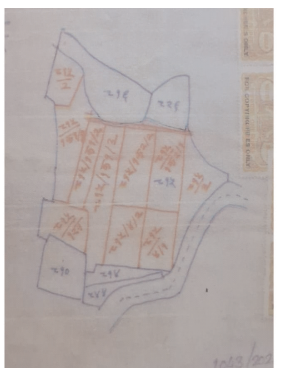

मीडिया के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत कर जानकारी दी गई कि मेरी भूमि ग्राम परसवार पटवारी हल्का परसवार तहसील अनुपपुर की आराजी खसरा नंबर 815/ 1 / 1 / 2 रकवा 0.707 हेक्टेयर खसरा नंबर 815/ 4 / 2 रकवा 0.505हेक्टेयर भूमि किसान के हिस्से एवं कब्जा दखल मालिकाना अधिकार की भूमि है जिसमें आज 30वर्षों से हमारे परिवार द्वारा कृषि का कार्य किया जा रहा है और अपने हिस्से की भूमि पर तार एवं खंभों द्वारा बाउंड्री वाल किया हुआ है , एवं इस भूमि का मेरे द्वारा विधिवत नक्शा तर्मिम व सीमांकन पूर्व में ही कर चुका गया है भूमि का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार अनुपपुर रा . प्र. क्रमांक 83/31-12/2020- 21 में आदेश दिनांक 18/01/2021 को पुष्टि किया गया है उक्त आदेश के विरुद्ध आज तक कोई अपील या आपत्ति नहीं की गई है । रावेंद्र गुप्ता उर्फ भूरा सेठ पिता कृष्ण गुप्ता निवासी बरगवा की भूमि ग्राम सकरिया में स्थित है और इनके पड़ोसी किसान सुजीत मिश्रा प्रभाकर मिश्रा दिवाकर मिश्रा आदि है जो साकरिया स्थित नाले के पट्टेदार है एवं इसी साकरिया स्थित नाला जो रावेंद्र गुप्ता उर्फ भूरा सेठ के भूमि से लगी हुई है उस नाले को पूर्व में जे सी बी मशीन द्वारा मिट्टी से भराव कर पूरी तरह पाट दिया गया है जिससे साकरिया नाले के पानी का बहाव दूसरी तरफ मुझ किसान के खेत की ओर मुड़ गया एव पानी मेरी भूमि पर आने लगा जिस कारण मेरे खेत की मिट्टी का कटाव निरंतर होने लगा अब मैं इस मिट्टी कटाव को रोकने हेतु सीमेंट से पक्की दीवार एवं अपने आने जाने हेतु रास्ते का निर्माण कर रहा हु तब ये अनर्गल राजस्व अधिकारियों को गुमराह करते हुए झूठी शिकायत दर्ज कर रहा है

अत: मेरा उच्च अधिकारियों से यही निवेदन है कि मौके पर निष्पक्ष जांच करते हुए उस नाले को पूर्व रिकार्ड अनुसार यथा स्थित करने की कृपा करे जिससे मुझ किसान को सही न्याय मिल सके एवं ऐसे राजनैतिक रसूखदार लोगों को ये संदेश मिले कि कानून सभी के लिए सामान्य रूप से कार्य करता है ।

नर्मदा ट्रैक्टर एजेंसी की धोखा धडी एवं दबंगई कर ट्रैक्टर मालिक से ट्रैक्टर जप्त किए

पुलिस अधीक्षक से शिकायत होने के एक माह बाद भी नहीं हुई कोई कार्यवाही

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर जिले के ग्राम झिरिया टोला थाना रामनगर निवासी रितेश तिवारी ने लगभग एक माह पूर्व पुलिस अधीक्षक महोदय के पास एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसके अनुसार रितेश तिवारी ने 23 जून 2023 को 8लाख 45हजार रुपए में ट्रैक्टर एवं ट्राली नर्मदा मोटर्स की कोतमा शाखा से क्रय किया जिसमें ट्रैक्टर एजेंसी द्वारा 60 हजार रुपए की छूट प्रदान की गई जिससे

रितेश तिवारी को बची हुई शेष राशि 7 लाख 85हजार रुपए ट्रैक्टर एजेंसी को देना थी जिसमें रितेश तिवारी द्वारा निम्नानुसार

राशि का भुगतान किया गया

41 हजार , की राशि दो किस्तों में एजेंसी के कर्मचारी मुक्कू तिवारी एवं नारद को दिए इसके बाद 25,मार्च 2024 को एजेंसी मालिक राजीव शुक्ला एव मुक्कू तिवारी को अपने निवास झिरिया टोला में 2 लाख 9 हजार रुपए दिए गए एवं एक दो दिनों बाद ही 35हजार रुपए राजीव शुक्ला जी द्वारा घर आकर ले जाया गया , इसके बाद चोला मंडलम अनुपपुर से 5 लाख 17 हजार रुपए एजेंसी द्वारा फाइनेंस करवा दिया गया ऐसे ट्रैक्टर एजेंसी के पास तय की गई राशि से 17 हजार रुपए अधिक जमा हो गई इसके बाद चोला मंडलम अनुपपुर की ई एम आई किस्त की राशि रितेश तिवारी द्वारा नियमित रूप से जमा की जाने लगी

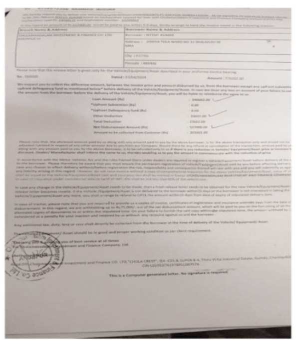

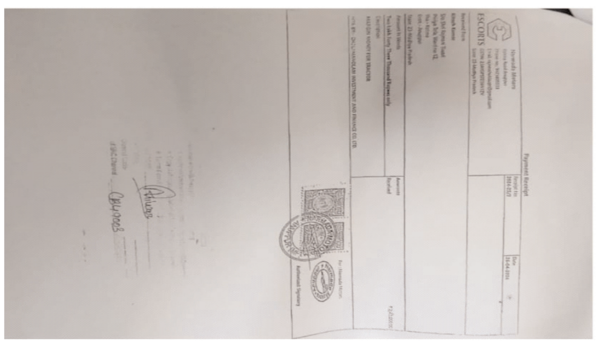

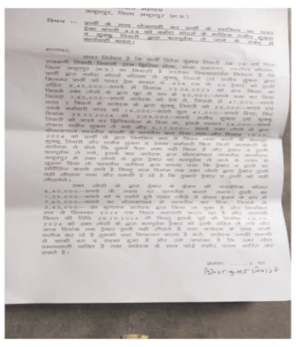

नियमित किस्त एवं एजेंसी का पूरा पैसा जमा होने की बावजूद

15 अक्टूबर 2024 को ट्रैक्टर एजेंसी मालिक राजीव शुक्ला मुक्कू तिवारी एवं अन्य दो कर्मचारियों द्वारा मेरे घर से जबरदस्ती करते हुए और ये कहते हुए कि तुमने हमको पैसा जमा नहीं किया है ट्रैक्टर एवं ट्राली मेरे घर से लेकर चले गए , जब मैने चोला मंडलम अनुपपुर से जानकारी की तो उन्होंने बताया कि एजेंसी वाले सर्विसिंग करवाने के लिए गाड़ी लेकर गए है , तब मैने अपने थाने रामनगर में शिकायत दर्ज करवानी चाही पर थाने में मेरा आवेदन नहीं लिया गया उसके बाद मैने हर जगह आवेदन दिया और 181 में भी शिकायत की पर आज दिनांक तक मेरा ट्रैक्टर एवं ट्राली मुझे नहीं मिला और न हीं एजेंसी मालिक पर कोई कार्यवाही हुई इस बीच मैने मीडिया का सहारा भी लिया जिसके बाद मेरा आवेदन तो थाने में लिया गया पर कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई जब भी थाने में जानकारी लेनी चाही तब कहा गया कि जांच चल रही है । क्या ट्रैक्टर एजेंसी के मालिक इतने दबंग है कि पुलिस विभाग एजेंसी मालिक पर कार्यवाही करने से कतरा रहा है , बहरहाल इन सारी घटनाओं को काफी समय बीतते जा रहा है पर कोई उचित कार्यवाही देखने को नहीं मिल रही । रितेश तिवारी द्वारा थाने में लेनदेन संबंधित सभी कागज जमा करने के बाद भी कार्यवाही न होना या जांच में इतना समय लगना कही न कही पुलिस की भूमिका को संदेह के घेरे में ल रहा है।

दहेज में कार नही देने पर ससुर-सास ने पति की करा दी दूसरी शादी

पति सहित सास, ससुर एवं देवर पर मामला दर्ज

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, शादी के बाद दहेज में कार, सोने की चैन वा अंगूठी की मांग करने तथा बहू को मारने पीटने व शारीरिक वा मानसिक रूप से प्रताड़ित कर घर से निकाल देने पर महिला थाना पुलिस ने 4 ससुराली जनों पति मिथेलेश प्रजापति सहित ससुर रामावतार प्रजापति, सास राधा प्रजापति एवं देवर नरेश प्रजापति सभी निवासी ग्राम दुलहरा के खिलाफ 498 ए, 294, 506, 34 एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम 3/4 के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है। पीड़िता ने बताया की शादी के पहले उसके ससुराल वालो ने उसे आगे पढ़ाने की बात कही थी, लेकिन शादी के बाद उन्होने पढ़ाने से मना कर दिया, जिसके बाद पीड़िता के पिता ने बैंक से लोन लेकर अपनी बेटी को

पढ़ाया।

मामले की जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय दुर्गा प्रजापति पति मिथेलश प्रजापति उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम दुलहरा अपने पिता के साथ महिला थाना पहुंच लिखित शिकायत करते हुए बताई कि उसका मायका ग्राम कटकोना थाना बिजुरी है। तथा उसका विवाह 8 फरवरी 2013 को मिथिलेश प्रजापति पिता रामावतार प्रजापति निवासी ग्राम दुलहरा के साथ हुआ था। शादी में पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार तिलक में 51 हजार नगद, घरेलू उपयोग की सामग्री एवं लगभग 1 लाख के बर्तन दिए थे। शादी के समय महिला 12वीं में पढ़ती थी, जिसकी आगे की पढ़ाई के लिए ससुराल वालो ने जारी रखने की बात कही गई। लेकिन शादी के बाद उन्होने पढ़ाई कराने से मना कर दिया। जिसके बाद महिला के पिता बालकरण प्रजापति ने अपनी बेटी के आगे की पढ़ाई के लिए स्टेट बैंक कोतमा से 4 लाख रूपए का लोन लेकर उसे बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कराई। जिसके लोन का पैसा भी उसके पिता ने भुगतान किया। शादी के बाद 4 वर्ष तक भोपाल में रहकर पढ़ाई की एवं पढ़ाई के बाद जब लौटकर ससुराल गई तो पति मिथिलेश प्रजापति, ससुर रामावतार प्रजापति, सास राधा प्रजापति, देवर नरेश प्रजापति चारो लोगो ने दहेज में कुछ भी ना देने पर अपने मायके से चार पहिया वाहन एवं सोने की चैन वा अंगूठी की मांग करने लगे। जिसकी जानकारी महिला ने अपने माता-पिता को बताई। जहां पिता के द्वारा दहेज में चार पहिया वाहन वा सोने की चैन वा अंगूठी नही दिए जाने के कारण ससुरालियों ने महिला को शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हुए पति की दूसरी शादी करने की धमकी देते हुए उसे घर से निकाल दिये थे और कुछ महीनों बाद ससुर रामावतार प्रजापति, सास राधा प्रजापति एवं देवर नरेश प्रजापति द्वारा मेरे पति मिथिलेश प्रजापति की दूसरी शादी करा दिये। जहां पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति मिथिलेश पिता रामावतार प्रजापति सहित ससुर रामावतार प्रजापति, सास राधा प्रजापति पति रामावतार प्रजापति एवं देवर नरेश प्रजापति पिता रामावतार प्रजापति सभी निवासी ग्राम दुलहरा के खिलाफ 498 ए, 294, 506, 34 एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम 3/4 के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों ने बोरी बंधान कर जल संरक्षण का दिया संदेश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत बी. एस. डब्ल्यू. एवं एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रीय सामाजिक कार्य किये जाते हैं। इसी तारतम्य में सोमवार को जिले के ग्राम पंचायत जमुड़ी अंतर्गत कलची नदी में जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु श्री मोहन पटेल एवं श्री दिलीप शर्मा के नेतृत्व में छात्रों एवं ग्रामीण जनों ने श्रम दान कर लगभग 90 बोरियों का बोरी बन्धान का कार्य किया। इस कार्य में गांव के किसान अमोल सिंह, सूरज सिंह, सुरेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह तथा बी.एस. डब्ल्यू. एवं एम. एस. डब्ल्यू. पाठ्यक्रम के छात्र-छात्रा क्रमशः सुखदेव सिंह, सूरज केसरवानी, राजकुमारी पहाड़े, रीता यादव, सुशीला यादव,अपेक्षा शुक्ला, हेमलता सिंह, गनेशिया देवी, साक्षी पटेल, आरती राठौर, मेघवती,साक्षी गुप्ता सरोज सिंह, आरती राठौर, स्वाती राठौर, चंद्रकली, आशा सिंह एवं सहयोगी ओम प्रकाश यादव, सर्वेश पटेल, रामकेश बरखे द्वारा श्रम दान कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा विश्वविद्यालय में 36वें अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी विकास सम्मेलन का उद्घाटन

पंजाबी संस्कृति एक व्यापक अवधारणा है- कुलतार सिंह संधवां

विपिन महरा । सिटी चीफ पटियाला, पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष श्री कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि पंजाबी संस्कृति खुले दिल की पहचान है और यह किसी भी प्रकार के विभाजन का नाम नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम पंजाबी संस्कृति की इस व्यापक अवधारणा को इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में उकेरें पंजाबी विश्वविद्यालय में आयोजित 36वें अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी विकास सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में श्री संधवां ने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि पंजाबी सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन और उत्कृष्ट संस्कृतियों में से एक है। पंजाबी समाज की ऐतिहासिक परंपरा- समकालीन प्रासंगिकता विषय पर आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के संदर्भ में उन्होंने पंजाबी संस्कृति की अवधारणा के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि भले ही बीते समय में पंजाबी संस्कृति को विभाजित करने के प्रयास हुए और पंजाब के कई हिस्से किए गए, लेकिन इसके बावजूद पंजाबी समाज की गहरी एकजुटता बनी रही। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाबी संस्कृति आज भी अपना एक विशिष्ट और अनोखा स्थान बनाए हुए है पाकिस्तानी पंजाब के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाबी संस्कृति एक ऐसी सभ्यता है जो सभी प्रकार की बाधाओं से ऊपर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इस अवधारणा को जीवंत और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन के अन्य वक्ताओं के विचार पंजाबी भाषा विकास विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में अपने स्वागत भाषण के दौरान डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. नरिंदर कौर मुल्तानी ने कहा कि पंजाबी भाषा के विकास के उद्देश्य से स्थापित पंजाबी विश्वविद्यालय का यह विभाग इस उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रो. राजेश गिल ने अपने मुख्य भाषण में पंजाबी समाज की पहचान और उसमें हो रहे समकालीन परिवर्तनों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज ने हमेशा सांप्रदायिकता और जातिवाद जैसी कुरीतियों को अस्वीकार किया है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज हमारे समाज में कई कुरीतियां प्रवेश कर चुकी हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का संचालन विभाग की प्रमुख डॉ. परमिंदरजीत कौर ने किया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पंजाबी परंपरा के माध्यम से वर्तमान समस्याओं का समाधान ढूंढना है ताकि पंजाब के उज्ज्वल भविष्य की राह बनाई जा सके।डीन भाषा संकाय डॉ. बलविंदर कौर सिद्धू ने सम्मेलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित साहित्य अकादमी, दिल्ली के पंजाबी सलाहकार बोर्ड के संयोजक डॉ. रवेल सिंह ने पंजाबी के विभिन्न विकास प्रोजेक्ट्स का उल्लेख करते हुए विभाग की सराहना की।

संस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य आयोजन तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में 6 शैक्षणिक सत्र, 6 समान-अंतर शैक्षणिक सत्र, 3 विशेष सत्र और एक विशेष सत्र पुंगर्दियां कलमां का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन के दौरान दो सांस्कृतिक संध्याओं का भी आयोजन होगा, जिसमें एवम इंद्रजीत और बोल मिट्टी दियां बावियां नाटकों का मंचन किया जाएगा।

सहारनपुर ज़िले के सभी सीएचसी और ज़िला महिला चिकित्सालय में बनेंगे मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट वार्ड

जिलाधिकारी द्वारा नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और बेहतर स्वास्थ्य के लिए शुरू की गई है मुहिम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला महिला चिकित्सालय को एमएनसीयू (मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट) से संतृप्त कराए जाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी चिकित्सा अधीक्षकों और सीएमओ के साथ बैठ कर खाका तैयार किया गया। डीएम मनीष बंसल द्वारा जनपद में शिशु मृत्यु दर को कम करने और शिशु स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए मुहिम प्रारंभ की गई है। जिसके तहत ज़िले के सभी सीएचसी और ज़िला महिला चिकित्सालय में एमएनसीयू और सीएनसीयू वार्ड बनेंगे। जिसमें जच्चा और बच्चा को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। एमएनसीयू वार्ड निर्माण में कम्यूनिटी एम्पावरमेंट लैब (सीईएल) का वैज्ञानिक एंव तकनीकी सहयोग लिया जाएगा। जिलाधकारी मनीष बंसल ने सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वपूर्ण कार्य को जनवरी माह में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में एमएनसीयू वार्ड बनकर तैयार हो जाएंगे उनको 26 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि जनपद में नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा माँ और शिशुओं को एक साथ रखने के लिए समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला महिला चिकित्सालय में मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट बनाने का कार्य होना है। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ केएमसी देते हुए बेहतर तरीके से उपचार किया जाएगा, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी। मदर न्यू बोर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ-साथ उपचार कराया जाएगा। जनपद में बनाए जाने वाले एमएनसीयू वार्ड को विशेष सुविधाओं के साथ तैयार किया जाएगा, जहां मां के साथ ही नवजात शिशु को प्रशिक्षित स्टाफ़ नर्स, चिकित्सक द्वारा उपचार दिया जाएगा। जिसमें नवजात शिशु के अनुसार तापमान रखा जाएगा। एमएनसीयू वार्ड में नवजात शिशु को मां के साथ बेहत से बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी, जो नवजात शिशु को नया जीवन देने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ0 रामानंद, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महिला चिकित्सालय, कम्यूनिटी एम्पावरमेंट लैब से विरल सिंह, समस्त एमओआईसी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हम होंगे कामयाब पखवाड़े का समापन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, हम होंगे कामयाब पखवाड़े के समापन कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह तथा विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी की उपस्थित में किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद परस्ते, महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने बताया कि महिलायें पुरूषों से कम नही इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार भी महिलाओं के साथ खडी है। यदि पुरूष अपनी सोच को बदले तो महिलाओं को आगे बढने से कोई रोक नही सकता। इसके लिये शुरूआत हमे अपने आप से करनी होगी यदि हम अपने घर से इसकी शुरूआत करें तो ही हम होंगें कामयाब का सार्थक अर्थ होगा। कार्यक्रम में विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस दौरान लघु फिल्म के माध्यम से समाज में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार के बारें में दिखाया गया एवं हम सबको मिलकर इन कुरीतियों को कैसे रोका जाना है के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में महिला हेल्प लाईन 181, चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, वन स्टॉप सेंटर 07659-299101, पुलिस 100, साईबर सुरक्षा हेल्पलाईन 1030 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली में हुई आमने-सामने की भिड़ंत, ट्रॉली पलटी

सात युवक ट्रॉली के नीचे दबे, दो किशोरों की हुई मौत, पांच गंभीर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सरसावा । सहारनपुर, अंबाला रोड पर बलवंतपुर गांव के पास ऑडी कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें ट्रॉली पलट गई। दो बाइकों पर सवार तीन किशोरों सहित सात युवक ट्रॉली के नीचे दब गए। जिसमें दो किशोरों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ऑडी कार सरसावा की ओर से सहारनपुर जा रही थी। सामने से ट्रैक्टर-ट्रॉली आ रही थी। बलवंतपुर गांव के पास ऑडी कार व ट्रैक्टर-ट्रॉली में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही ट्रॉली पलट गई। इसी दौरान शादी समारोह से दो बाइकों पर लौट रहे तीन किशोरों समेत सात युवक ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दब गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद सभी को ट्रॉली के नीचे से निकलवाकर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान अमन (16) पुत्र जय किशन निवासी मोहल्ला कानूनगोयान व वंश उर्फ शिवा (15) पुत्र राजकुमार निवासी मोहल्ला हजारा सरसावा की मौत हो गई, जबकि सोनू (18), रणवीर (16), वाजिद (29), जावेद (25) और टीपू (26) का उपचार चल रहा है। हादसे के बाद कार और ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक वाहनों को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को क्रेन बुलाकर सड़क से हटवाया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीजापुर जिले के एक छात्रावास में दूषित भोजन से 35 छात्राएँ बीमार

एक छात्रा की मौत, 12 अन्य आईसीयू में

हममंत बोरे । सिटी चीफ

(छत्तीसगढ़) बीजापुर, बीजापुर जिले के रुक्मणी आश्रम धनोरा में विषाक्त भोजन खाने से 35 बच्चियां प्रभावित हुईं , जिनमें से एक छात्रा शिवानी तेलम की मौत हो गई , जबकि 12 अन्य आईसीयू में भर्ती हैं। बीमार बच्चियों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुरुआती जांच में भोजन में दूषित पदार्थ की पुष्टि हुई है। बच्चों ने रात के खाने में चावल और सब्जी खाई थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। मृतक बच्ची कक्षा 7 का छात्रा थी, जो आदिवासी समुदाय से था। अन्य पीड़ित बच्चों की उम्र 10 से 14 साल के बीच है। उनके परिवार घटना से सदमे में हैं और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं।

जिला कलेक्टर ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। भोजन के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। संबंधित वार्डन और भोजन प्रबंधकों से पूछताछ जारी है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है और दोषियों पर कार्रवाई में देरी हो रही है।स्थानीय सूत्रों का दावा है कि अधिकारी मामले को नजरअंदाज करने की कोशिश कर रहे हैं। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए और छात्र छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

समस्या का मूल कारण 1. खाद्य गुणवत्ता की कमी- हफ्तों से छात्र भोजन की खराब गुणवत्ता की शिकायत कर रहे थे। 2. स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी- भोजन तैयार करने में साफ-सफाई के नियमों का पालन नहीं हुआ। 3. प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी- छात्रावास में भोजन बनाने और प्रबंधन करने वाले कर्मचारी प्रशिक्षित नहीं थे। समाधान और सुधार के उपाय- 1. खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित करना- हर छात्रावास में भोजन की नियमित जांच हो। 2. आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं- छात्रों के लिए प्राथमिक चिकित्सा सुविधा और एंबुलेंस सेवा सुनिश्चित की जाए। 3.ज़िम्मेदारी तय करना- दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नियमित निरीक्षण किया जाए। 4.साफ-सफाई के उपाय- भोजन बनाने और परोसने की प्रक्रिया में स्वच्छता सुनिश्चित की जाए। इस घटना ने सरकार और प्रशासन को बच्चों की सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी याद दिलाई है। लीपापोती करने के बजाय ठोस कदम उठाने और दोषियों को सजा दिलाने से ही बच्चों और अभिभावकों का भरोसा बहाल किया जा सकता है।

जरूरतमंदों को विधायक देवेंद्र निम ने किए कम्बल वितरित

निराश्रित, गरीब एवं असहाय लोगों को शीतलहर से बचाने के लिए की गई है रैन बसेरे की व्यवस्था

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय मल्हीपुर में जरूरतमंद, गरीब एवं असहाय लोगों को कंबल वितरित किए। जिला प्रशासन द्वारा पात्र व्यक्तियों का चिन्हींकरण कर उन्हें कम्बल वितरण करने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही शीतलहर से बचाव के लिए समस्त तहसीलों में चिन्हित स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए हैं। जनपद में रात्रि काल में खुले स्थान सड़क, फुटपाथ पर सोने वाले असहाय, गरीब एवं निराश्रित व्यक्तियों को रैन बसेरे में पंहुचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा ई-रिक्शा का भी संचालन किया जा रहा है। यह ई-रिक्शा कन्ट्रोल रूम में खडे रहेंगे तथा रात्रि में शहर के विभिन्न क्षेत्रों के खुले स्थानों या सड़क किनारे सोने वाले व्यक्तियों को लाकर रैन बसेरों तक पंहुचाएंगे।

जनपद में निराश्रित, गरीब एवं असहाय लोगों को शीतलहर से बचाने के लिए कलेक्ट्रेट में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है। यह कन्ट्रोल रूम 24म7 संचालित रहेगा। कन्ट्रोल रूम के लिए कर्मचारियों की तैनाती कर दी गयी है। इसी के साथ जनपद में 28 रैन बसेरों की व्यवस्था की गयी है जिसमें 443 लोगों के रहने की क्षमता है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर अंकुर वर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सूर्या 45% के खलनायक का खुलासा

फिल्म में इस अभिनेता के साथ दो-दो हाथ करेंगे सूर्या

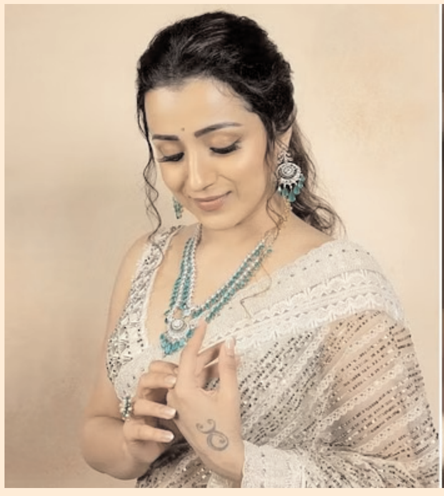

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म का आधिकारिक एलान हो चुका है। निर्माताओं ने %सूर्या 45% का पोस्टर जारी करते हुए जानकारी दी थी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान आर बालाजी संभालेंगे। वहीं, अब अभिनेता की फिल्म पर नई जानकारी सामने आई है, जो फिल्म के खलनायक से जुड़ी हुई है। चलिए आपको बताते हैं कि इस फिल्म में सूर्या किस अभिनेता के साथ दो-दो हाथ करेंगे।

विजय सेतुपति बनेंगे खलनायक सूर्या 45 के निर्माता एक के बाद एक फिल्म के बारे में अपडेट देने में लगे हुए हैं। अभिनेता-फिल्म निर्माता आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित, हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि युवा और सनसनीखेज संगीतकार साई अभ्यंकर एआर रहमान की जगह इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं। अब, नई रिपोर्टों के अनुसार, अभिनेता विजय सेतुपति के साथ प्रतिपक्षी की भूमिका निभाने के लिए चर्चा चल रही है। क्या मास्टर अभिनेता एक बार फिर खलनायक की भूमिका निभाएंगे और सूर्या के साथ अभिनय करेंगे? केवल आधिकारिक घोषणा ही इसका खुलासा करेगी।

विजय सेतुपति का खलनायक अवतार दर्शक पहले ही विजय सेतुपति का खतरनाक अवतार देख चुके हैं, जिन्होंने %मास्टर%, %विक्रम% और %विक्रम वेधा% जैसी फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाई है। अभिनेता ने कुछ समय के लिए खलनायक की भूमिकाएं निभाने से ब्रेक लिया था, ऐसा लग रहा है कि फैंस उन्हें आगामी फिल्म सूर्या 45 में फिर से खेलते हुए देखेंगे। कथित तौर पर टीम अभिनेता के साथ बातचीत कर रही है और अगर सब ठीक रहा तो दर्शक सूर्या और विजय सेतुपति को सूर्या 45 में भिड़ते हुए देख सकते हैं। टीम द्वारा अभी आधिकारिक घोषणा की जानी बाकी है।

सूर्या के साथ रोमांस करेंगे तृषा सूर्या 45 को आरजे बालाजी ने लिखा और निर्देशित किया है और इसे ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सूर्या पहली बार आरजे बालाजी के साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग कुछ दिन पहले पोलाची में शुरू हुई थी, जिसमें अभिनेत्री तृषा मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। जब सूर्या 45 की पहली बार घोषणा की गई थी तो एआर रहमान को संगीतकार के रूप में पुष्टि की गई थी।

साई अभ्यंकर के लिए बड़ा मौका हालांकि, घोषणा के कुछ हफ्तों बाद, टीम ने घोषणा की कि साई अभ्यंकर इस प्रोजेक्ट के संगीतकार के रूप में शामिल हैं, जिन्होंने आसा कूड़ा और कच्ची सेरा जैसे वायरल हिट गाने बनाए हैं। यह साई अभ्यंकर के लिए वाकई एक बड़ा अवसर है, जो आगामी एलसीयू फिल्म बेंज के साथ फिल्म संगीतकार के रूप में अपनी शुरुआत करेंगे और उनके पास सूर्या 45 उनकी दूसरी परियोजना है। सूर्या 45 की रिलीज की तारीख की घोषणा अभी बाकी है।

दिलीप कुमार ने शिद्दत से निभाए किरदार फिल्में देखकर दर्शकों की आंखें भींग गई

बॉलीवुड में 50-60 का दशक पूरी तरह से दिलीप कुमार के नाम ही रहा। इस दौर में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। साथ ही कुछ ऐसी फिल्में भी दिलीप कुमार ने की, जिनमें कोई ना कोई ट्रेजेडी कहानी का हिस्सा होती थी। कहने का मतलब है कि दिलीप कुमार जो किरदार निभाते थे, उनके जीवन में दुख और तकलीफ जरूर दिखाई जाती थी। इन फिल्मों के किरदारों को दिलीप कुमार ने इस शिद्दत से निभाया कि उनको ट्रेजेडी किंग के नाम से पुकारा जाने लगा। दिलीप कुमार की जयंती के अवसर पर उनकी कुछ ट्रेजेडी फिल्मों के बारे में जानिए। फिल्म 'दाग (1952)' में एक शराबी व्यक्ति के किरदार को दिलीप कुमार ने निभाया था। पूरी फिल्म में मुख्य किरदार दुखों से घिरा रहता है। बस आखिर में फिल्म का सुखद अंत होता है, उसे अपना प्यार मिल जाता है, साथ ही वह शराब पीना भी छोड़ देता है। 'देवदास (1954)' फिल्म में मुख्य किरदार देवदास प्रेमिका पारो के ना मिलने पर शराबी बन जाता है, यही इस फिल्म की कहानी थी। फिल्म में दिलीप कुमार ने एक दिल टूटे हुए प्रेमी और शराबी व्यक्ति के किरदार को बेहतरीन ढंग से निभाया था। साथ ही 'देवदास' फिल्म में जो अंत होता है, वह देखकर दर्शक बहुत दुखी होते हैं। देवदास की पीड़ा को दर्शक फिल्म देखने के बाद भी नहीं भूल पाते और इसकी वजह दिलीप कुमार का उम्दा अभिनय रहा। साल 1958 में दिलीप कुमार ने फिल्म 'मधुमति' की। यह पिछले जन्म की कहानी पर आधारित फिल्म थी। इसमें मधुमति यानी मुख्य नायिका अपनी मौत का बदला लेना चाहती है। फिल्म की कहानी में काफी सारे मोड़ आते हैं, जो दर्शकों को हैरान करते हैं। फिल्म 'मुगल-ए-आजम (1960)' की कहानी किसे नहीं पता है। फिल्म सलीम और अनारकली की प्रेम कहानी है, जिसका अंत दुखद रहता है। सलीम को अपना प्रेम नहीं मिल पाता है। इस फिल्म का अंत भी दर्शकों को रुला गया था। फिल्म दीदार '(1951)' में दिलीप कुमार ने एक अंधे व्यक्ति का रोल किया, जो अपनी प्रेमिका की तलाश कर रहा है। दिलीप कुमार का किरदार इस फिल्म में गाना गाकर पैसे कमाता है। इस फिल्म में भी दिलीप कुमार ने अपने किरदार को जीवंत कर दिया था। ऐसी कई और फिल्में भी दिलीप कुमार ने अपने करियर के दौरान की जिनमें ट्रेजेडी फैक्टर जुड़ा रहा। एक बार किसी इंटरव्यू में दिलीप कुमार ने खुद बताया था कि ट्रेजेडी फिल्मों में काम करने का असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ा। ऐसे में दिलीप कुमार ने कॉमेडी फिल्मों में काम करना शुरू किया। उन्होंने कई हिट कॉमेडी फिल्मों में अभिनय किया और दर्शकों को खूब हंसाया।

आलिया भट्ट ने ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए दी पायल कपाड़िया को बधाई

बोले- इतिहास अब आपका है

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट के लिए गोल्डन ग्लोब अवार्ड के लिए नामित होने पर बधाई दी। उन्हें 82वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (मोशन पिक्चर श्रेणी) के लिए नामित किया गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर नॉन इंग्लिश कैटेगरी में भी नामांकित किया गया है।

पायल कपाड़िया ने कही ये बात इंडिया टुडे से बात में पायल कपाड़िया ने कहा, मैं इस नामांकन से बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं और इस मान्यता के लिए ॥स्त्रक्क की आभारी हूं। यह उन सभी का जश्न है जिन्होंने इस फिल्म पर इतनी लगन से काम किया है। भारत में सभी के लिए, ऑल वी इमेजिन एज लाइट अभी भी सिनेमाघरों में है - कृपया इसे देखें और हमारा समर्थन करें।

राजकुमार राव ने भी दी बधाई बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने भी फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को इस नामांकन की बधाई दी है। उन्होंने लिखा, बधाई होयह बहुत बढ़िया है। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपके लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं, आलिया भट्ट ने भी पायल कपाड़िया को बधाई दी और कहा कि इतिहास बस आपका ही है।

फिल्म को मिला कान्स में ग्रैंड प्रिक्स ऑल वी इमेजिन एज लाइट फिल्म को दुनियाभर में लोगों ने सराहा है। इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर लोगों ने बहुत पसंद किया है। फिल्म भारत में 22 नवंबर को भारत में सिनेमाघरों में रिलीज हुई ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हासिल की थी। यह फिल्म कान्स 2024 में प्रतिष्ठित ग्रैंड प्रिक्स जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई।

क्या भूल भुलैया 4 में होगी खिलाड़ी कुमार की वापसी?

अनीस बज्मी ने तोड़ी चुप्पी

भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की अब तक तीन फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आए थे। फिर दूसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन ने उन्हें रिप्लेस कर दिया और इसी साल नवंबर में रिलीज हुई भूल भुलैया 3 में भी कार्तिक आर्यन ही नजर आए। क्या चौथी किस्त में अक्षय कुमार की वापसी हो सकती है, इसकी संभावनाओं पर फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने प्रतिक्रिया दी है।

बोले- हमें खिलाड़ी को वापस लेकर खुशी होगी
अक्षय कुमार के फैंस चाहते हैं कि भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की फिल्म में खिलाड़ी वापसी करें। हाल ही में अनीस बज्मी ने अभिनेता के साथ फिर से जुड़ने के बारे में अपना उत्साह जताया। इसे लेकर उन्होंने कहा, अगर कहानी में कहीं ऐसी गुंजाइश होती है तो इस बात की पूरी संभावना है कि अक्षय की वापसी हो। अनीस बज्मी ने कहा, दोस्ती, प्यार और हर चीज का एक शानदार बॉन्ड है। अगर कहानी फिट बैठती है, तो मुझे अक्षय कुमार को वापस फिल्म में लेते हुए खुशी होगी।

स्क्रिप्ट पर टिकी है पूरी संभावनाएं
अनीस बज्मी ने अक्षय की वापसी का संकेत देते हुए कहा कि उनकी वापसी तभी होगी, जब अगली फिल्म की कहानी में ऐसी डिमांड होगी। अनीस बज्मी ने पिंकविला के साथ बातचीत में यह कहा। अनीस बज्मी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले कुछ वर्षों में उनके और अक्षय कुमार के बीच के प्रोफेशनल रिश्ते, आपसी सम्मान और समझ की नींव पर बने हैं।

वही किरदार आएगा वापस?
अनीस बज्मी ने आगे कहा कि अभिनेता की वापसी के बारे में कोई भी फैसला आखिरकार इस बात पर निर्भर है कि स्क्रिप्ट अक्षय के किरदार और फिल्म के निर्देशन के अनुकूल है या नहीं। इससे इस बात की अटकलें भी लगाई जा सकती हैं कि चौथी किस्त में पिछली फिल्मों का ही अक्षय का किरदार वापसी करेगा या कोई नई अप्रोच होगी।

तीन माह की हुईं रणवीर-दीपिका के बिटिया दुआ दादी अंजू भवनानी ने दान किए अपने बाल

दीपिका पादुकोण ने 8 सितंबर 2024 को पहली संतान के रूप में बेटी को जन्म दिया। रणवीर सिंह और दीपिका ने बिटिया का नाम दुआ पादुकोण सिंह रखा है। बेबी दुआ 8 दिसंबर को तीन महीने की हो गई हैं। उनके तीसरे माह के जन्मदिन पर दादी अंजू भवनानी ने खास काम किया है। उन्होंने पोती के तीन माह के होने पर अपने बाल दान कर दिए हैं।

रणवीर सिंह की मां अंजू ने दान किए बाल रणवीर सिंह की मां अंजू भवनानी ने अपनी पोती दुआ के तीन माह के होने पर अपने बाल डोनेट किए हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिनमें वे बाल कटवाती नजर आ रही हैं। दादी के इस नेक काम की लोग तारीफ कर रहे हैं।

अंजू भवनानी ने साझा किया पोस्ट पोती के तीसरे माह की वर्षगांठ पर दादी अंजू भवनानी ने एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, %हैप्पी थर्ड मंथ बर्थडे माई डार्लिंग दुआ। इस खास दिन को प्यार और उम्मीदों के साथ खूबसूरत अंदाज में मनाना। जैसे-जैसे हम दुआ के बड़े होने की खुशी और खूबसूरती को सेलिब्रेट कर रहे हैं। हमें अच्छाई और करुणा की शक्ति भी याद आती है। उम्मीद है कि ये छोटा सा काम मुश्किल समय से गुजर रहे किसी इंसान को सुकून और आत्मविश्वास दे सकता है%।

दिलजीत के कॉन्सर्ट में नजर आईं दीपिका इस नेक काम के लिए अंजू भवनानी की फैंस तारीफ कर रहे हैं। फैंस दुआ पर प्यार लुटा रहे हैं। दीपिका पादुकोण की बात करें तो हाल ही में उन्हें दिलजीत दोसांझ के म्यूजिक कॉन्सर्ट में देखा गया। दीपिका कॉन्सर्ट में दिलजीत दोसांझ के साथ स्टेज पर झूमती नजर आईं। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे %कल्कि 2898 एडी 2% की शूटिंग शुरू करेंगी।

आदित्य धर की फिल्म में नजर आएंगे रणवीर रणवीर सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो बीते महीने उन्हें रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में देखा गया। फिलहाल वे निर्देशक आदित्य धर की एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा वे फरहान अख्तर की डॉन 3 में भी लीड रोल अदा करेंगे।

इंटरनेट ने मीडिया में मचाई क्रांति

एलन मस्क की 1998 की भविष्यवाणी हुई सच

इंटरनेशनल डेस्क. अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने एक पुराना वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने 1998 में भविष्यवाणी की थी कि इंटरनेट पारंपरिक मीडिया में क्रांति लाएगा।

26 साल पहले दिए गए इस इंटरव्यू में, मस्क ने कहा था कि इंटरनेट प्रिंट, टेलीविज़न और रेडियो जैसे सभी पारंपरिक मीडिया को बदल देगा।

उन्होंने बताया था कि इंटरनेट की सबसे बड़ी ताकत उसकी इंटरएक्टिव और दो-तरफ़ा संवाद की क्षमता है। यह उपभोक्ताओं को तय करने देता है कि वे क्या देखना चाहते हैं और कब देखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट सभी मीडिया का सुपरसेट है और धीरे-धीरे हर मीडिया इसी के अधीन हो जाएगा।

आज मस्क की यह पागल कही जाने वाली भविष्यवाणी सच हो चुकी है। इंटरनेट ने मीडिया देखने और इस्तेमाल करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। मस्क वर्तमान में अपने स्पेसएक्स स्टारलिंक प्रोजेक्ट के माध्यम से दुनिया को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ने पर काम कर रहे हैं। यह सेवा दूर-दराज़ क्षेत्रों में भी इंटरनेट पहुँचाने के लिए डिज़ाइन की गई है। भारत में भी स्टारलिंक के आने की संभावना है, जो जियो और एयरटेल जैसी कंपनियों को चुनौती देगा।

इसके अलावा, मस्क ने भविष्य में एआई के ज़रिए नौकरियों के खत्म होने की भी बात कही है। हालांकि, उन्होंने इसे नकारात्मक नहीं बल्कि ऐसा समय बताया है जब काम करना शौक बन जाएगा।

मस्क का मानना है कि इस बदलाव के लिए एक सार्वभौमिक उच्च आय की व्यवस्था करनी होगी ताकि हर व्यक्ति की ज़रूरतें पूरी हो सकें।

पत्नी, ससुराल और सिस्टम के आगे हारा अतुल, बोला कोर्ट इन्हें बरी करे तो मेरी अस्थियां गटर में बहा देना

नेशनल डेस्क. बेंगलुरु में काम करने वाले जौनपुर के अतुल सुभाष के सुसाइड करने से सभी लोग हैरान हैं। बताया जा रहा है कि अतुल ने 24 पेज का सुसाइड नोट और 1 घंटे 21 मिनट का वीडियो रिकॉर्ड करके अपनी जान दे दी। इस वीडियो में उन्होंने अपनी पत्नी और ससुराल वालों को जिम्मेदार बताया है। इसके साथ ही अतुल ने देश के ज्यूडिशियरी सिस्टम, पुलिस और कानून में पुरुषों की अनदेखी को लेकर भी निराशा जताई है। अपनी अंतिम इच्छा को बताते हुए अतुल ने पारिवारिक कलह और कानूनी लड़ाई से हो रही मानसिक प्रताड़ना का दर्द भी बयां किया। पुलिस को सुभाष के शव के पास तख्ती लटकी मिली, जिस पर लिखा था- इंसाफ बाकी है।

इतना ही नहीं अतुल ने ये भी बताया कि उसकी पत्नी ने पहले उससे सेटलमेंट के लिए पहले एक करोड़ रुपये की डिमांड की, लेकिन बाद में तीन करोड़ रुपये की मांग करने लगी और तो और अपने बेटे का चेहरा तक भी देखने नहीं दिया। सुसाइड नोट में सुभाष ने न्यायिक सिस्टम पर भी सवाल उठाए हैं... आरोप... जज ने सेटलमेंट के लिए रिश्वत मांगी; सास बोली- अरे, अब तक सुसाइड नहीं किया मैं अतुल सुभाष, सॉफ्टवेयर कंपनी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विंग में ष्ठत्नरू हूं। 2019 में निकिता से शादी हुई। वह भी *software engineer* है। *AI consultant* है। उसने ये भी बताया कि पत्नी के पिता की शादी के बाद बीमारी से मौत हो गई थी, लेकिन ससुराल वालों ने इसके लिए भी हत्या का आरोप लगा *FIR* दर्ज करा दी।

अतुल के आरोप के मुताबिक, फैमिली कोर्ट में जज ने मामला निपटवाने के लिए पांच लाख रुपये मांगे। उन्होंने कहा कि जज के सामने ही पत्नी ने उनसे कहा कि सुसाइड क्यों नहीं कर लेते और जज ये सुनकर ठहाका मारकर हंसने लगीं। शादी के बाद से ही निकिता और उसका परिवार किसी न किसी बहाने से पैसा मांगता रहा। अतुल ने आगे कहा कि शुरुआत में तो मैं पैसे देता रहा। कुछ समय बाद जब मुझे पता लगा कि मेरा मिसयूज किया जा रहा है तो, तब मैंने इनकार करना शुरू कर दिया। जिसके बाद निकिता और उसके परिवार वालों ने अपन रंग दिखाना शुरू कर दिया। मुझ पर और मेरे परिवार पर घरेलू हिंसा, हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत नौ केस लाद दिए। इनकी सुनवाई के लिए 120 तारीखें लगी।

सालभर में 23 छुट्टी मिलती है। पर मुझे 140 बार जौनपुर जाना पड़ा। आप समझ सकते हैं कि मैं इसे कैसे हैंडल करता रहा। जज ने भी 3 करोड़ रु. में मामला सेटल करने का दबाव बनाया। मुझसे पांच लाख रु. मांगे गए। हर पेशी पर रिश्वत देनी पड़ती। सेटलमेंट से मना किया तो जज ने पक्ष रखने का मौका दिए बगैर ही पत्नी को हर महीने 80 हजार देने का आदेश दे दिया। पूजा हो या कोई शादी, निकिता हर बार कम से कम 6 साड़ी और एक गोल्ड सेट मांगती थी। मैंने अपनी सास को 20 लाख रु. से ज्यादा दिए, लेकिन उन्होंने कभी नहीं लौटाए।

अतुल ने अदालत और पुलिस को लेकर क्या कहा ?

अतुल सुभाष ने वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए मर जाना ही बेहतर होगा क्योंकि जो पैसे मैं कमा रहा हूं, उससे मैं अपने ही दुश्मन को बलवान बना रहा हूं। मेरा कमाया हुआ पैसा मुझे ही बर्बाद करने में लग रहा है। मेरे ही टैक्स के पैसे से ये अदालत, ये पुलिस और पूरा सिस्टम मुझे और मेरे परिवार और मेरे जैसे और भी लोगों को परेशान करेगा. मैं ही नहीं रहूंगा तो न पैसा होगा और न ही मेरे मां-बाप और भाई को परेशान करने की कोई वजह होगी। इसके अलावा अतुल ने वीडियो में बताया कि अभी तक इस केस में उन्हें कोर्ट से 120 तारीखें मिल चुकी हैं। उनके माता-पिता और भाई भी कोर्ट के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें साल में सिर्फ 23 छुट्टियां मिलती हैं तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि क्या इन कोर्ट केस में लड़ पाना किसी के लिए संभव है। वीडियो में अपनी अस्थि के बारे में बात करते हुए अतुल ने कहा, मेरा अस्थि विसर्जन तब तक नहीं होना चाहिए जब तक मुझे हैरेस करने वालों को सजा नहीं मिलती। अगर इतने सबूत होने के बाद भी कोर्ट अगर सजा नहीं देती है उन्हें, तो मेरी अस्थि वहीं कोर्ट के बाहर गटर में बहा देना चाहिए।

से मेरी अपील है कि मेरे भाई और माता-पिता को हैरेस नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कानून का कई तरह से दुरुपयोग हो रहा है। जब आप यह पढ़ रहे होंगे तब तक में इस दुनिया नहीं रहूंगा। यह भारत में पुरुषों के लिए कानूनी नरसंहार जैसा है। अपनी आखिरी इच्छा की बात करते हुए अतुल ने कहा कि मेरे केस की सुनवाई का लाइव टेलीकास्ट हो। पत्नी मेरा शव न छू सके। जब तक प्रताड़ित करने वालों को सजा न हो, मेरी अस्थियां विसर्जित न हों। यदि भ्रष्ट जज और मेरी पत्नी तथा उसके परिजनों को कोर्ट बरी कर दे तो मेरी अस्थियां उसी अदालत के बाहर किसी गटर में बहा दी जाएं। मेरे बेटे की कस्टडी मेरे माता-पिता को दी जाए ताकि उसे अच्छी वैल्यूज मिल सकें।

उन्होंने वीडियो में कहा कि मेरे माता-पिता उसे बड़े नाज से पालेंगे और उनका भाई भी बहुत अच्छा है। ने 4 साल के बेटे के लिए पत्र और गिफ्ट छोड़ी है। पत्र जो चाहते हैं कि वो 2038 में 18 साल का होने पर खोले। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 9 दिसंबर की सुबह 6 बजे एक कॉल आया, जिसमें अतुल के सुसाइड करने की जानकारी दी। जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो घर अंदर से बंद मिला। स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि अतुल ने नायलॉन की रस्सी का इस्तेमाल करके बेडरूम में लगे सीलिंग फैन से लटककर फांसी लगा ली थी।

नोएडा की आम्रपाली सिलिकॉन सिटी में बनेंगे 668 नए फ्लैट

नेशनल डेस्क। नोएडा के सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली सिलिकॉन सिटी में अब नए फ्लैट्स बनाए जाएंगे। इसके लिए खाली पड़ी जमीन पर सात नए टावर बनाए जाएंगे जिनमें कुल 668 फ्लैट्स होंगे। इन फ्लैट्स के निर्माण के लिए नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन ने नया नक्शा तैयार किया है जिसे नोएडा प्राधिकरण को मंजूरी के लिए भेजा गया है।

पहले का विवाद और निर्माण का ठप होना

आम्रपाली बिल्डर ने पहले इस जमीन पर फ्लैट बनाने के लिए नक्शा तैयार किया था, लेकिन कई विवादों के कारण निर्माण का काम शुरू नहीं हो सका। इसके बाद निर्माण की समय सीमा भी खत्म हो गई, और परियोजना अधूरी रह गई। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब *NBCC* आम्रपाली के अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने की जिम्मेदारी ले रही है। इस नए निर्माण के तहत 36,000 वर्ग मीटर की खाली जमीन पर सात टावर बनाए जाएंगे जिसमें प्रत्येक टावर में 27 मंजिलें होंगी। इन टावरों में कुल 668 फ्लैट बनाए जाएंगे। यह परियोजना आम्रपाली के उन फ्लैट खरीदारों के लिए उम्मीद का नया अवसर हो सकती है जिन्होंने पहले इन फ्लैट्स के लिए पैसा दिया था लेकिन निर्माण का काम अधूरा रहने के कारण उन्हें घर नहीं मिल सका।

नक्शे की मंजूरी की प्रक्रिया

नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि *NBCC* द्वारा भेजे गए नक्शे की जांच प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही प्राधिकरण की टीम मौके का निरीक्षण भी करेगी। यदि सभी नियम और शर्तों के तहत सब कुछ ठीक रहा, तो इस परियोजना के लिए मंजूरी मिल जाएगी और निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

सेक्टर-76 में आम्रपाली प्रिंसली एस्टेट के पास एक और खाली प्लॉट है जिसका आकार लगभग 8,000 वर्ग मीटर है। यह प्लॉट कोर्ट रिसीवर की देखरेख में सॉलिड प्रॉपर्टीज बिल्डर को 43 करोड़ रुपये में बेचा गया है। इस प्लॉट पर भी दो टावर बनाए जाने की संभावना है जिनमें करीब 100 फ्लैट हो सकते हैं। इस बिल्डर ने भी जल्द ही अपने नक्शे को मंजूरी के लिए भेजने की योजना बनाई है।

मुख्य उद्देश्य

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आम्रपाली के अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करना है ताकि उन लोगों को उनके घर मिल सकें जिन्होंने पहले इन फ्लैट्स के लिए भुगतान किया था।

इस पहल से न केवल उन खरीदारों की समस्याओं का समाधान होगा बल्कि नोएडा के सेक्टर-76 में रहने की सुविधाएं भी बढ़ेंगी।

सीरिया में तख्तापलट का इज़राइल को हुआ फायदा !

नेतन्याहू ने एक साथ किए दो शिकार, सदमे में ईरान

इजराइल को हमास और हिज़बुल्ला जैसे ईरान समर्थित संगठनों से लंबे समय से संघर्ष करना पड़ रहा है। हमास फिलिस्तीन में और हिज़बुल्ला लेबनान में सक्रिय हैं। लेकिन हाल ही में इज़राइल को एक अप्रत्याशित बड़ी सफलता मिली है सीरिया में असद सरकार का तख्तापलट। सीरिया में तख्तापलट का इजराइल को फायदा हुआ है और नेतन्याहू एक साथ दो शिकार कर रहे हैं जिससे ईरान सदमे में है। दरअसल, महज 13 दिनों के भीतर बशर-अल-असद सरकार, जिसे ईरान का करीबी माना जाता था, सत्ता से बेदखल हो गई है। विद्रोहियों ने दमिश्क सहित प्रमुख शहरों पर कब्जा जमा लिया है। इस घटनाक्रम से ईरान का एक प्रमुख मोर्चा कमजोर हो गया है।

इस बदलाव का फायदा उठाते हुए इज़राइल ने गोलान हाइट्स क्षेत्र में हमला कर उसे अपने नियंत्रण में ले लिया। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस स्थिति को अपनी सरकार की बड़ी कूटनीतिक और सैन्य सफलता बताया। उन्होंने कहा, हम मध्य पूर्व का चेहरा बदल रहे हैं। सीरिया में यह बदलाव हमारी रणनीति का नतीजा है। इजराइली सेना ने बीते 48 घंटों में सीरिया में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। सेना के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य सीरिया में संग्रहीत हथियारों और उग्रवादियों के ठिकानों को नष्ट करना था।

सेना ने बताया कि दमिश्क, होम्स और पालमिरा जैसे क्षेत्रों में स्थित हथियार निर्माण केंद्र, एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम, और नेवी के हथियार ठिकानों पर हमले किए गए। इसके अलावा, समुद्र से समुद्र में मार करने वाली मिसाइलों को भी निशाना बनाकर नष्ट किया गया है। सीरिया में असद सरकार का तख्तापलट और इज़राइल के इन हमलों से ईरान को एक बड़ा झटका लगा है। इस पूरे घटनाक्रम ने क्षेत्र में शक्ति संतुलन को इज़राइल के पक्ष में झुका दिया है। नेतन्याहू ने कहा, हमने ईरान, हिज़बुल्ला और हमास को रोकने में सफलता पाई है, और यह सीरिया में हमारे हितों को और मजबूत करेगा। सीरिया में असद सरकार के पतन और इज़राइल की सैन्य कार्रवाई से क्षेत्रीय राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। ईरान समर्थक मोर्चे के कमजोर होने से इज़राइल की स्थिति मजबूत हुई है, जो आने वाले समय में मध्य पूर्व में नई कूटनीतिक और सैन्य रणनीतियों को आकार देगा।

पंजाब सरकार द्वारा नई आबकारी नीति का ड्राफ्ट तैयार करने की शुरुआत

नेशनल डेस्क। पंजाब सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपनी नई आबकारी नीति के ड्राफ्ट की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार शराब की कीमतों में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है जिसमें विदेशी और देसी शराब दोनों शामिल हैं। इसके साथ ही बार लाइसेंस की फीस भी बढ़ सकती है।

10,350 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य

इस वित्तीय वर्ष के लिए पंजाब सरकार ने 10,350 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा था। अभी तक 80 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। सरकार अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए नए वित्तीय वर्ष में आबकारी नीति के माध्यम से और ज्यादा राजस्व जुटाने का प्रयास करेगी।

पंजाब सरकार ने अब तक शराब की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं की है। यहां तक कि पिछले साल विदेशी शराब की कीमतों में कमी भी की गई थी। हालांकि सूत्रों के मुताबिक वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए राज्य सरकार ने शराब की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया है। यह बढ़ोतरी 5 से 10 प्रतिशत तक हो सकती है जिससे सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिल सकेगा।

शराब कारोबारियों से सुझाव

नई आबकारी नीति तैयार करने के लिए राज्य सरकार ने शराब कारोबारियों से भी सुझाव मांगे हैं। पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्तायुक्त विकास प्रताप ने शराब कारोबारियों से इस बारे में अपनी राय मांगी है। शराब कारोबारियों के सुझावों पर चर्चा 24 दिसंबर को होने वाली है जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मौजूदा आबकारी नीति

पंजाब की मौजूदा आबकारी नीति 11 जून 2025 तक लागू रहेगी। इसके बाद नई नीति लागू की जाएगी जिसमें शराब की कीमतों और बार लाइसेंस फीस में बदलाव किया जा सकता है।

वित्तीय स्थिति को सुधारने का प्रयास

पंजाब सरकार अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर करने के लिए विभिन्न उपायों पर विचार कर रही है। शराब की कीमतों में वृद्धि और नए उपायों के जरिए सरकार का लक्ष्य है कि वह अधिक राजस्व जुटा सके जो राज्य के विकास कार्यों और अन्य योजनाओं के लिए उपयोगी हो सके।

इस तरह पंजाब सरकार ने अगले वित्तीय वर्ष में आबकारी नीति के जरिए अपनी आय बढ़ाने के प्रयासों की शुरुआत कर दी है और इस पर शराब कारोबारियों और अन्य हितधारकों से सुझाव भी लिए जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569